■ फाल्गुन कृष्णा - 6 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 216 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 01-03-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बोलते : हरदीप पुरी

6 वायनाड से राहुल गांधी भागेंगे या इतिहास रचेंगे?

7 बिल गेट्स को प्रतिष्ठित 'के आईएसएस मानवतावादी पुरस्कार' 2023 मिला

BSE	NSE
72,500.30	21,982.80
(+195.41)	(+31.65)

सोना	चांदी
6,459 रु.	72,245 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आशंकित किसान

कैसे समझाएं कृषकों को,
जिनके मन में विश्वास नहीं।
बिल क्यों लाए मनमर्जी से,
जिसमें प्रोफिट था खास नहीं।
सारा झगड़ा एमएसपी का,
कानूनन जिसकी आस नहीं।
पूंजीपति होंगे हावी तो,
मिट पाएगा यह त्रास नहीं।।

भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना भाजपा का लक्ष्य : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भाजपा भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ आगामी लोकसभा चुनाव में उतर रही है तथा चारों ओर एक ही बात सुनाई दे रही है कि भाजपा के नेतृत्व वाला राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) इस बार 400 सीट का आंकड़ा पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों के उनके कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की साख कई गुना बढ़ी है, जिससे देश में निवेश आकर्षित करने में मदद मिली है और दुनिया भर के देश भारत के साथ अच्छे संबंध बनाने के इच्छुक हैं।

मोदी ने भाजपा शासित मध्य प्रदेश में 17,551 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करने के बाद 'विकसित भारत, विकसित मध्य प्रदेश' कार्यक्रम को वर्चुअल तौर पर संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने वीडियो लिंक के माध्यम से सिंचाई, बिजली, सड़क, रेल, जल आपूर्ति, कोयला और उद्योग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में कई परियोजनाओं की आधारशिला रखी या उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। मोदी ने कहा, पिछले 10 वर्षों में दुनिया में भारत की साख कई गुना बढ़ी है। आज दुनिया भर के देश भारत से दोस्ती करना चाहते हैं। विदेश जाने वाले भारतीयों को बहुत सम्मान मिलता है और इसका सीधा फायदा देश को निवेश और विशेषकर पर्यटन क्षेत्र में होता है। अधिक लोग भारत आना चाहते हैं। यहां आएगें, तो मध्य प्रदेश आना स्वाभाविक है क्योंकि मध्य प्रदेश तो अजब है, गजब है।

भारत ने पाकिस्तान को फटकार लगाई

संयुक्त राष्ट्र/जिनेवा/भाषा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाने के बाद पाकिस्तान को फटकार लगाई और कहा कि वह ऐसे किसी देश पर ध्यान नहीं दे सकता जिसके हाथ दुनियाभर में प्रायोजित आतंकवाद के खून-खराबे के कारण 'लाल' हैं। जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने बुधवार को यूएनएचआरसी के 55वें नियमित सत्र के उच्चस्तरीय हिस्से में उत्तर देने के अधिकार का इस्तेमाल किया। उच्च-स्तरीय खंड में दोनों देशों द्वारा अपने बयानों में कश्मीर का संदर्भ दिए जाने के बाद भारत ने तुर्किये और पाकिस्तान को जवाब देने के लिए उत्तर के अधिकार का इस्तेमाल किया। सिंह ने कहा, सबसे पहले, हमें तुर्किये द्वारा एक ऐसे मामले पर की गई टिप्पणी को लेकर खेद है जो भारत का आंतरिक मामला है और हम उम्मीद करते हैं कि वह भविष्य में हमारे आंतरिक मामलों पर अवांछित टिप्पणी करने से बचेगा।

संदेशखालि मामला में तृणमूल नेता शाहजहां गिरफ्तार

सीआईडी ने जांच अपने हाथ मे ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बशीरहाट (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के संदेशखालि में महिलाओं के नेतृत्व में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन और कई दिनों तक चले सियासी संग्राम के बाद बृहस्पतिवार तड़के 55 दिन से फरार तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख को गिरफ्तार कर लिया गया। शेख पर यौन उत्पीड़न एवं जमीन हड़पने का आरोप है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार ने कहा कि शेख को उत्तर 24 परगना जिले के सुंदरवन के बाहरी इलाके में संदेशखालि से लगभग 30 किमी दूर मिनाखान थाना क्षेत्र में एक घर से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि शेख कुछ साथियों के साथ उस घर में छिपा था। उसके अनुसार गिरफ्तारी के बाद उसे बशीरहाट अदालत में पेश किया गया जहां उसे 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

सफेद कुर्ता-पाएमा पहने शेख सुबह करीब 10 बजकर 40 बजे हवालात से बाहर आया और अदालत कक्ष की ओर गया। उसने वहां इंतजार कर रहे मीडियाकर्मियों की तरफ हाथ हिलाया।

मुश्किल से दो मिनट तक चली अदालती सुनवाई के बाद उसे कोलकाता के भवानी भवन ले जाया गया जो पुलिस मुख्यालय है।

KISS — KALINGA INSTITUTE OF SOCIAL SCIENCES

KALINGA INSTITUTE OF SOCIAL SCIENCES (KISS)

Bhubaneswar, Odisha, India

A home for 80,000 indigenous children

KISS HUMANITARIAN AWARD 2023

Date: 28th February 2024

PAST RECIPIENTS

Her Excellency Mama Rachel Ruto, EGH
First Lady of the Republic of **Kenya (2022)**

Dr. Dansa KOUROUMA
President, National Transition Council of Guinea, **Guinea (2019)**

Professor Muhammad Yunus
(Nobel Laureate)
Founder, Grameen Bank, **Bangladesh (2018)**

His Holiness The 14th Dalai Lama (2017)
Nobel Laureate, 2005 and Spiritual Leader

Ms. Ashley Judd,
Hollywood Actor, Activist & Global Goodwill Ambassador, **UNFPA (2016)**

His Excellency Dr Alejandro Toledo,
Former President of **Peru (2015)**

Ms. Anne F. Stenhammer
Former Regional Programme Director, UN Women, **South Asia Regional Office (2014)**

Mr. Bill Gates, Co-chair of the Bill & Melinda Gates Foundation, and Co-Founder & former CEO of Microsoft receiving the prestigious **KISS Humanitarian Award 2023** from **Prof. Achyuta Samanta,** Founder, KIIT, KISS & KIMS, Bhubaneswar, Odisha, India.

AWARDEES ARE FROM

5 Continents | 13 Countries | 2 Nobel Laureates *among the awardees*

Madam Albina Du Boisrouvray
Founder, Association François-Xavier Bagnoud (FXB International), **Switzerland (2013)**

His Excellency Lyonchhen Jigmi Y. Thinley
Hon'ble Prime Minister, The Royal Government of **Bhutan (2012)**

Rt Hon. Lord Nicholas Addison Phillips
President (Chief Justice) of the Supreme Court of the **United Kingdom (2011)**

Rt. Hon. Sir Anerood Jugnauth
Eminent Social Worker & His Excellency the President of **Mauritius (2010)**

Dr. Ham Kee-Sun
Eminent Educationist & Physician and Hon'ble President & Founder, Hanseo University, **South Korea (2009)**

Ms. Edna Bomo Molewa
Noted Social Worker & Hon'ble Cabinet Minister, Social Development, South Africa National Assembly, **South Africa (2008)**

The KISS Humanitarian Award is a prestigious annual international award conferred by the Kalinga Institute of Social Sciences (KISS) in Bhubaneswar, India, conceptualized and the brainchild of visionary humanitarian and educationist Prof. Achyuta Samanta, Founder of KIIT and KISS. The award was initiated in 2008 to recognize and felicitate individuals for their exemplary and distinguished service to humanity across the globe.

The award ceremony for the years 2020 and 2021 has not taken place due to COVID-19. The awards will be received by legendary Indian personalities soon.

www.kiss.ac.in | www.kiit.ac.in | www.achyutasamanta.com | facebook.com/kissfoundation | facebook.com/KIITUniversity | facebook.com/achyutasamanta

विधान सौधा में 164वीं एसएलबीसी बैठक हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 164वीं एसएलबीसी बैठक मंगलवार को विधान सौधा मीटिंग हॉल में आयोजित की गई। बैठक की सह-अध्यक्षता अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं विकास आयुक्त डॉ. शालिनी रजनीश ने की।

बैठक में मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक पीएन रघुनाथ, एफआईडीडी महाप्रबंधक सुनंदा बत्रा, मुख्य महाप्रबंधक - नाबार्ड टी रमेश, एसएलबीसी संयोजक और जीएम, केनरा बैंक एम भास्कर चक्रवर्ती, सभी बैंकों के राज्य नियंत्रक प्रमुख और अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव और विकास आयुक्त ने सभी संबंधित विभागों और बैंकरों को पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई योजनाओं के तहत सभी पात्र आबादी को कवर करने की सलाह दी है।

उन्होंने तीसरी तिमाही के दौरान 79.72 प्रतिशत का सीडी अनुपात हासिल करने के लिए सभी बैंकरों की सराहना की। अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं विकास आयुक्त ने बताया कि एसीपी के तहत 31 दिसंबर तक की उपलब्धि काफी सफल है और वार्षिक लक्ष्य का कृषि के तहत 75.69 प्रतिशत, कुल ऋण के तहत 84.47 प्रतिशत और कुल प्राथमिकता क्षेत्र के तहत 72.95 प्रतिशत है। उन्होंने अच्छे प्रदर्शन के लिए सभी बैंकर्स को बधाई दी। साथ ही सभी मापदंडों के तहत निर्धारित लक्ष्य हासिल करने का आग्रह किया।

मैं मजबूत प्रधानमंत्री के साथ मजबूत सरकार का मंत्री हूं : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि उन्होंने यूक्रेन के साथ संघर्ष के दौरान मॉस्को पर लगे प्रतिबंधों के बीच रूसी तेल खरीदने पर कड़ा रुख अपनाया है, क्योंकि वह 'मजबूत प्रधानमंत्री के साथ मजबूत सरकार' के मंत्री हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने हुब्बल्ली के बीवीबी कॉलेज में यह बात कही, जहां उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यों पर एक पुस्तिका जारी की। यह स्वीकार करते हुए कि भारत यूरोपीय देशों के बड़े दबाव में था, जिन्होंने रूस के साथ उसके तेल व्यापार को अस्वीकार कर दिया था, उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्पष्ट दृष्टि थी, जिसने उस समय मदद की।

मंत्री ने कहा, हमारे पास एक ऐसा प्रधानमंत्री था जो बहुत स्पष्ट था - कि भारतीय उपभोक्ता का हित पहले आएगा। लोग कहते हैं कि आपने बहुत कड़ा रुख अपनाया। मैंने बहुत कड़ा रुख अपनाया, क्योंकि मैं एक मजबूत प्रधानमंत्री की सरकार का मंत्री हूं। पिछले दिनों, विदेश मंत्री जयशंकर ने चुटकी लेते हुए कहा था कि भारत की तेल खरीद यूरोप द्वारा एक दोपहर में की जाने वाली खरीद से कम है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा था कि नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल खरीदना दूसरों के लिए चिंता का विषय नहीं होना चाहिए।इस महीने की शुरुआत में एक जर्मन दैनिक से बात करते हुए मंत्री ने रूस के साथ अपने मैत्रीपूर्ण संबंधों की पुष्टि करते हुए कहा था कि मास्को ने कभी भी नई दिल्ली के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाया। फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ने के बाद से सदाबहार दोस्तों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की तेजी से जांच की जा रही है।भीड़ की तालियों और जयकारों के बीच, विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा की और कहा कि विदेश मंत्री बनना अच्छा है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का विदेश मंत्री बनना बहुत अच्छा है।

मध्य प्रदेश के डिंडोरी में वाहन पलटने से 14 लोगों की मौत, 20 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिंडोरी (मध्य प्रदेश)/भाषा। मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिले में एक वाहन पलटने से 14 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना बुधवार देर रात करीब डेढ़ बजे बड़झर घाट के पास हुई। उन्होंने बताया कि चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद वाहन 40-50 फुट गहरी घाटी में गिर गया।

अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में 14 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 20 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार मृतकों में सात पुरुष, छह महिलाएं और एक नाबालिग लड़का शामिल है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से मृत व्यक्तियों के परिजनों को दो लाख रुपए और घायलों के लिए 50,000 रुपए अनुग्रह राशि के तौर पर देने की घोषणा की। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने घटना पर शोक व्यक्त किया है और उन्होंने मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह राशि के तौर पर देने की घोषणा की। पुलिस उपमंडल अधिकारी मुकेश अविंद्र ने बताया कि वाहन पर सवार लोग जिले के शाहपुरा ब्लॉक के मसूरघुघरी गांव में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अमहाई देवरी गांव वापस लौट रहे थे, तभी हादसा हुआ। जानकारी मिलते ही डिंडोरी के जिलाधिकारी विकास मिश्रा और पुलिस अधीक्षक अखिल पटेल घटनास्थल पर पहुंचे। घायलों को उपचार के लिए शाहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया, जिनमें से छह की हालत गंभीर बताई गई है।

निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में गुरुवार को महालक्ष्मी लेआउस विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मरप्पनपाल्या वार्ड में स्थित कर्नाटक पब्लिक स्कूल का दौरान शिक्षा विभाग की आयुक्त श्रीमती कावेरी बी ने किया। इस मौके पर स्थानीय विधायक के गोपालया ने आयुक्त को विधानसभा क्षेत्र में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधायक अनुदान के तहत कई स्कूलों को उच्च स्तर तक पहुंचाया गया है। इस स्कूल में एलकेजी से दसवी तक 2800 बच्चे पढ़ते हैं।

अगर मुझे गिरफ्तार किया गया तो करोड़ों मराठा भूख हड़ताल करेंगे: जरांगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि अगर उन्हें गिरफ्तार किया गया तो करोड़ों मराठा भूख हड़ताल करेंगे। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के एक निजी अस्पताल में पत्रकारों से बात करते हुए जरांगे ने कहा कि मराठा समुदाय अपने अधिकारों के लिए लड़ रहा है।

जरांगे तीन दिन पहले जालना में अपने पैतृक गांव अंतरवाली सरती में अनशन खत्म करने के बाद निजी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के पास अब भी सेज सोयरे (कुनबी मराठों के रक्त संबंधी) मसौदा अधिसूचना को लागू करने का मौका है, समुदाय इसकी सराहना करेगा।

पात्र कुनबी (ओबीसी) मराठों को प्रमाण पत्र जारी करने के लिए जनवरी में मसौदा अधिसूचना जारी की गई थी। जरांगे ने हाल ही में महाराष्ट्र विधानमंडल द्वारा एक विशेष श्रेणी के तहत मराठा समुदाय को दिए गए 10 प्रतिशत आरक्षण को लेकर एक बार फिर आपत्ति जताई। रविवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने के लिए जरांगे की आलोचना हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा नेता उन्हें जान मारने की कोशिश कर रहे हैं।

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने मंगलवार को राज्य सरकार को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने और फडणवीस के खिलाफ जरांगे की टिप्पणियों की व्यापक जांच कराने का निर्देश दिया था। जरांगे ने कहा, मराठा समुदाय और मैं (कुनबी प्रमाणपत्र धारक मराठा) संबंधियों के लिए आरक्षण की मांग नहीं छोड़ेंगे, भले ही मुझे जेल में डाल दिया जाए। ऐसा लगता है कि (एसआईटी की) रिपोर्ट जांच से पहले तैयार होने वाली है। वे जहां चाहें मुझे रखें, मैं कहीं भी जाने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा, मुझे एक रुपए का भी लालच नहीं है। वे मुझे गिरफ्तार कर लें। जिस रास्ते से मुझे जेल ले जाया जाएगा, वहां उसे (सरकार को) मराठा समुदाय के करोड़ों लोग भूख हड़ताल पर बैठे हुए मिलेंगे।

'सीबीआई भाजपा के प्रकोष्ठ के तौर पर काम करती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। चुनाव से पहले अवैध खनन के एक मामले में सीबीआई द्वारा समन भेजे जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि वे (सीबीआई के अधिकारी) भाजपा के प्रकोष्ठ के तौर पर काम करते हैं।

यहां पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए यादव ने कहा, चुनाव से पूर्व समन.. वे (सीबीआई के अधिकारी) भाजपा के प्रकोष्ठ के तौर पर काम करते हैं। उन्होंने कहा, जो कागज आया था, हमने उसका जवाब दे दिया है। यादव पीडीए के सम्मेलन के दौरान बात कर रहे थे। इस सम्मेलन में पार्टी के पिछड़े, अल्पसंख्यक और दलित प्रकोष्ठ के पदाधिकारी मौजूद थे। भाजपा पर हमला करते हुए सपा प्रमुख ने चंडीगढ़ महापौर चुनाव का जिक्र किया और कहा कि भाजपा की मतों की चोरी और डकैती सामने आ चुकी है क्योंकि मतपत्रों के जरिए चुनाव हुए थे और वहां सीसीटीवी कैमरे लगे थे। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की जनता केंद्र में भाजपा सरकार को हटा देगी। उत्तर प्रदेश में निवेश पर उन्होंने कहा कि इस सरकार द्वारा निवेश के जो सपने दिखाए गए थे, वे पूरे नहीं हुए। उन्होंने कहा, निवेश सम्मेलन के बावजूद जमीन पर कुछ नहीं आया है। सपा प्रमुख ने कहा, भाजपा के शासन में महंगाई चरम पर है, कानून व्यवस्था खराब हुई है और महिलाएं सबसे अधिक असुरक्षित हैं। समय की मांग है कि जो कुछ चल रहा है, उससे लोगों को अवगत कराया जाए।

सुक्खू ने ली सिंघवी की हार की जिम्मेदारी, मतभेद दूर हुए : शिवकुमार

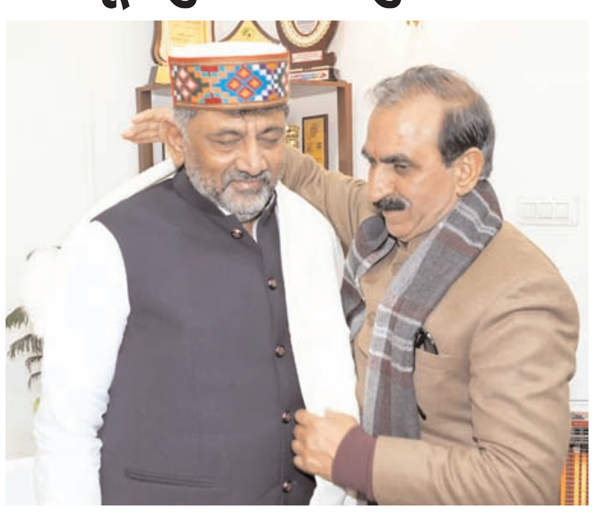

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/शिमला। कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षक डी.के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्यसभा चुनाव में पार्टी के नेता अभिषेक मनु सिंघवी की हार की जिम्मेदारी ली है।

शिवकुमार ने यह भी कहा कि केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने सुक्खू, पार्टी विधायकों और प्रदेश इकाई की प्रमुख प्रतिभा सिंह से बात की है और सभी मतभेद दूर कर लिए गए हैं। पार्टी पर्यवेक्षक भूपेन्द्र हुड्डा के साथ यहां मीडिया को संबोधित करते हुए शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस विधायकों के साथ एक-एक कर बैठक और सुक्खू व प्रदेश कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा सिंह के साथ बातचीत के बाद मतभेद दूर हो गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सभी आंतरिक मामलों को सुलझाने के लिए एक समन्वय समिति बनाने का निर्णय लिया गया है और कोई भी नेता से प्रेस से बात नहीं करेगा।

हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के विधायकों के 'क्रॉस वोटिंग' करने के बाद राजनीतिक संकट पैदा हो गया है।

भाजपा ने पाकिस्तान जिंदाबाद नारों को लेकर कर्नाटक सरकार को बर्खास्त करने की मांग की

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दल भाजपा ने मांग की कि राज्यपाल को विधान सौधा के अंदर कथित तौर पर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जाने के बाद राज्य की कांग्रेस सरकार को बर्खास्त करने की सिफारिश करनी चाहिए।

मीडिया में आईं खबरों के अनुसार भाजपा ने आरोप लगाया है कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार सैयद नासिर हुसैन की जीत के जश्न के दौरान मंगलवार रात को विधान सौधा में कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए थे। कथित नारेबाजी को लेकर भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक के नेतृत्व में 'राजभवन चलो' मार्च निकाला और राज्यपाल थावरचंद गहलोत को ज्ञापन सौंपा। राज्यपाल को दी शिकायत में अशोक ने आरोप लगाया, नासिर हुसैन के समर्थकों की राष्ट्रविरोधी नारेबाजी की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण या गुप्तचर ब्यूरो जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों से गहन जांच कराई जानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कानून के तहत मामला दर्ज कर उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। यह राज्य का परिदृश्य है, हम इस लोकतांत्रिक प्रणाली में जिम्मेदार विपक्षी दल के रूप में कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल से इस सरकार को बर्खास्त करने की सिफारिश करने का आग्रह करते हैं, क्योंकि यह सरकार कानून-व्यवस्था का पालन करने और संवैधानिक मूल्यों को बरकरार रखने में विफल रही है।

लोगों के गांवों से शहरों की ओर पलायन के लिए कांग्रेस जिम्मेदार : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि आजादी के बाद से देश में बड़े पैमाने पर लोगों के गांवों से शहरों की ओर पलायन के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है।

लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'विजय संकल्प यात्रा' के तहत तेलंगाना के निजामाबाद में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए गडकरी ने यह आरोप लगाया। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक सड़क बनाई है।

गडकरी ने लोगों से भाजपा का समर्थन करने की अपील की ताकि युवाओं को रोजगार, किसानों का कल्याण और महिला अधिकार सुनिश्चित किया जा सके।

राकांपा से करार के बाद मेरी सीट को लेकर सवाल पैदा हो गए हैं : मुंडे

छत्रपति संभाजी नगर/भाषा। भाजपा की नेता पंकजा मुंडे ने बृहस्पतिवार के कहा कि पार्टी की अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से गठबंधन होने के बाद उनकी सीट पर सवाल पैदा हो गया है। मुंडे 2019 के विधानसभा चुनाव में परली से अपने रिश्ते के भाई और राकांपा नेता धनंजय मुंडे से हार गई थीं। धनंजय इस समय एकनाथ शिंदे की सरकार में मंत्री है जिसमें भाजपा एक घटक है। बीड लोकसभा सीट का दो बार से उनकी बहन प्रीतम मुंडे प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इस बारे में पूछे जाने पर राज्य की पूर्व मंत्री पंकजा ने कहा, उन्होंने अच्छा काम किया है लेकिन राकांपा से गठबंधन होने के बाद स्वभाविक है कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र पर सवाल पैदा हो गया है। उन्होंने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि बीड से कौन उम्मीदवार होगा लेकिन मैं मुख्य प्रचारक रहूंगी।

दूरसंचार कंपनियों को वितरकों के मुनाफे पर टीडीएस काटने की जरूरत नहीं : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि दूरसंचार कंपनियां ग्राहकों को प्री-पेड कूपन और सिम कार्ड बेचने से वितरकों या फ्रेंचाइजी को हुए लाभ पर 'स्रोत पर कर कटौती' (टीडीएस) के लिए कानूनी रूप से बाध्य नहीं हैं। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने बुधवार को आयकर विभाग और दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल की तरफ से दायर अपीलों पर यह अहम फैसला सुनाया।

यह मामला उपभोक्ताओं को प्री-पेड कूपन और सिम कार्ड बेचने से भारती एयरटेल के वितरकों या फ्रेंचाइजी को हुई आय पर आयकर अधिनियम, 19611 की धारा 194-एच के तहत टीडीएस की देनदारी से संबंधित है। आयकर विभाग ने दावा किया था कि वितरकों द्वारा अर्जित मुनाफा, करदाता और फ्रेंचाइजी/वितरकों के बीच फ्रेंचाइजी/वितरण समझौते के तहत निर्धारिती (दूरसंचार फर्म) द्वारा एक एजेंट को देय कमीशन है।

न्यायमूर्ति खन्ना ने पीठ की तरफ से फैसला लिखते हुए कहा, हमारा मत है कि करदाता (दूरसंचार कंपनियां) वितरकों/फ्रेंचाइजी द्वारा तीसरे पक्ष/ग्राहकों से प्राप्त भुगतान में आय/लाभ पर टीडीएस के लिए कानूनी दायित्व के तहत नहीं होंगी।

इसके साथ ही पीठ ने कहा कि आयकर अधिनियम की धारा 194-एच इस मामले के तथ्यों एवं परिस्थितियों पर लागू नहीं होती है।

हिमाचल में विधायकों की अयोग्यता टाली जा सकती थी : प्रतिभा सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। कांग्रेस की हिमाचल प्रदेश इकाई की प्रमुख प्रतिभा सिंह ने कहा कि अगर बागी विधायकों की शिकायतों का समय पर समाधान कर दिया गया होता तो उन्हें अयोग्य ठहराए जाने के फैसले को टाला जा सकता था। प्रतिभा सिंह का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ घंटे पहले ही हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने राज्य की एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए हाल ही में हुए चुनाव में 'क्रॉस वोटिंग' करने के लिए बृहस्पतिवार को छह कांग्रेस विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया।

राज्य के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह की मां प्रतिभा सिंह ने कहा कि विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने से 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि असंतुष्ट विधायक पिछले एक साल से अधिक समय से अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे थे, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बार-बार पार्टी की जीत के लिए कड़ी मेहनत करने वाले संगठन के समर्पित नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुरस्कृत करने का दबाव बना रही थीं। उन्होंने इससे पहले कहा था कि पार्टी नेता और विधायक नाखुश हैं, क्योंकि उनकी चिंताओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। इस बीच, विधानसभा में विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने राज्य में मौजूदा राजनीतिक संकट के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। जयराम ठाकुर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस विधायकों और वरिष्ठ नेताओं ने सदन के अंदर और सार्वजनिक मंचों पर भी अपना दर्द बयां किया था। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने भी सिर्फ आश्वासन दिया है और मुद्दे का समाधान नहीं किया है। ठाकुर ने कहा कि कटौती प्रस्तावों पर मत विभाजन की अनुमति नहीं दी गई क्योंकि सत्तारूढ़ कांग्रेस ने विधानसभा में बहुमत खो दिया है और बजट पारित करने के लिए भाजपा के 15 विधायकों को सदन से निलंबित कर दिया गया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
PURVA BLUE BELLE
Adjacent to Magadi Road Metro Station
(Purple lane) Rajajinagar
3 Bedroom Jodi units
5 Bedroom + Servant room with all
Luxurious Amenities.
Direct metro from here to ITPL (white field) /
KR PURAM/ BYYAPPANAHALLI .
Very good Convenience
those who are working above areas.
Only few units left for Sale.
Contact Owner: 9844027560

रूसी सेना में सहायताकर्मी के रूप में काम कर रहे भारतीयों को वापस लाने की पूरी कोशिश कर रही है सरकार

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार रूसी सेना में सहायता कर्मी के रूप में काम कर रहे करीब 20 भारतीयों कों 'जल्द से जल्द सुरक्षित वापस' लाने की पूरी कोशिश कर रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने यहां अपने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, हम ऐसा मान रहे हैं कि लगभग 20 लोग (भारतीय) रूसी सेना में सहायक कर्मचारी या सहायक के रूप में काम करने गए हैं। उन्होंने कहा, हम उन्हें जल्द से जल्द सुरक्षित वापस लाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। जयसवाल ने कहा कि 20 लोगों ने मॉस्को में भारतीय दूतावास से संपर्क किया है। मीडिया की खबरों के मुताबिक, रूसी सेना में सुरक्षा सहायक के रूप में भर्ती किए गए कई भारतीयों को यूक्रेन से सटी रूस की सीमा के कुछ क्षेत्रों में रूसी सैनिकों के साथ मिलकर लड़ने के लिए भी मजबूर किया गया है। जयसवाल ने कहा, हम उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, वे (भारतीय नागरिक) विभिन्न स्थानों पर हैं और हमारा दूतावास रूसी अधिकारियों के संपर्क में है। जयसवाल ने कहा कि भारतीयों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए सरकार नई दिल्ली और मॉस्को दोनों जगहों पर रूसी अधिकारियों के साथ नियमित संपर्क में है।

‘पाकिस्तान समर्थक’ नारेबाजी मामले में सात लोगों से पूछताछ : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बृहस्पतिवार को कहा कि पुलिस ने कांग्रेस नेता सैयद नासिर हुसैन के समर्थकों द्वारा कथित तौर पर ''पाकिस्तान समर्थक'' नारेबाजी करने के मामले में सात लोगों से पूछताछ की है। सिद्दरामैया ने आश्वासन दिया कि सबूतों के आधार पर नारे लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और राज्य सरकार का किसी को बचाने का कोई इरादा नहीं है। राज्य में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (एस) ने इस घटना को लेकर कांग्रेस सरकार पर हमले तेज कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी भाजपा और जद(एस) के विरोध का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। भाजपा और जद(एस) के विधायकों के हंगामे के कारण लगातार दूसरे दिन कर्नाटक विधानसभा की कार्यवाही बाधित हुई। दोनों दलों के सदस्य सदन में आसन के सामने आ गए और बाद में सदन से बहिर्गमन किया। राज्यसभा चुनाव में मंगलवार को सैयद नासिर हुसैन की जीत का जश्न मनाते हुए उनके समर्थकों ने कथित तौर पर ''पाकिस्तान जिंदाबाद'' के नारे लगाए। इस घटना का एक कथित वीडियो टीवी समाचार चैनलों पर प्रसारित किया गया और यह सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया।

सिद्दरामैया ने भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा, सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। हमें आपसे देशभक्ति सीखने की जरुरत नहीं है। कानून के मुताबिक सात लोगों से पूछताछ की गई है और उनके बयान दर्ज किए गए हैं। जांच चल रही है। पुलिस ने इस मामले पर स्वत: संज्ञान लेते हुए प्राथमिकी दर्ज की है। अगर सरकार गंभीर नहीं होती तो हम स्वत: संज्ञान मामला दर्ज नहीं करते।

उन्होंने कहा, ''चाहे कोई भी हो, जिसने भी 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हम फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की रिपोर्ट के इंतजार में बैठे नहीं हैं। हम इस मामले की जांच कर रहे हैं।'' कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि जांच जारी है और पुलिस सच्चाई जानने के लिए तकनीकी साक्ष्य के लिए एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि इस सरकार पर कोई भरोसा नहीं है क्योंकि दोषियों को पकड़ने और उन्हें दंडित करने के लिए अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है, इसके बजाए इस मामले को बंद करने की कोशिश की जा रही है। अशोक ने कहा कि सिद्दरामैया का बजट एक 'फर्जी बजट' है और यह 'हिंदू विरोधी' है, क्योंकि सरकार अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण में लगी हुई है।

क्या बिना विकास के जीडीपी और बजट का आकार बढ़ाना संभव है? : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पिछली भाजपा सरकार ने राज्य में कुछ भी विकास नहीं किया। बस राज्य को लूट लिया। हमने गारंटी योजनाएं भी विकसित की हैं। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी सरकार में यही अंतर है।

वह गुरुवार को विधानसभा में बजट भाषण पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे। फरवरी 2023 में बसवराज बोम्मई द्वारा 3.09 लाख करोड़ का अच्छा खासा बजट पेश किया गया। वर्ष 2024-25 के लिए मेरे द्वारा प्रस्तुत बजट का आकार 3,71,343 करोड़ रुपये है। यह बोम्मई द्वारा पेश किए गए बजट से 62,200 करोड़ रुपये ज्यादा है। पहले से बजट का आकार बढ़ गया है। यह जुलाई 2023 में मेरे द्वारा प्रस्तुत बजट से 43,601 करोड़ रुपये अधिक है।

मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि इसी तरह राज्य की जीडीपी 25,63,247 करोड़ रुपये है। वहाँ था 2024-25 के लिए 28,09,063 करोड़ है और अधिक 2,41,723 करोड़ अपेक्षित है। क्या विकास के बिना बजट का आकार और जीडीपी बढ़ सकता है? मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि कर्नाटक के इतिहास में पहली बार बजट पढ़ने के दौरान विपक्षी दल अनुपस्थित रहा। क्या उन्हें राज्य की अर्थव्यवस्था की चिंता नहीं है।

बजट की चर्चा में कांग्रेस से 9, बीजेपी से 13 और जेडीएस से 3 लोग शामिल ही शामिल हुए। बजट की आलोचना करते हुए बजट को लेकर सदस्यों ने भी कई सुझाव दिये हैं। वहीं कई ने केंद्र सरकार का बचाव किया। मैं इन सबका स्वागत करता हूं। मैं कहना चाहूंगा कि सरकार को उनके सुझावों के अनुरूप अगले वित्तीय वर्ष में जो भी करना होगा वह करेगी। वर्ष 2024-25 के बजट में कुल बजट का आकार 3,71,343 करोड़ रुपये है। जिसमें राजस्व व्यय 2,90,531 करोड़ है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमने विकास को प्राथमिकता दी है। विपक्षी दल ने कहा कि विकास शून्य है। हमने कुल विकास कार्यक्रमों के लिए 1,20,000 करोड़ आवंटित किए हैं। हमने लागत साझा कर ली है। 52,009 करोड़ रु. को गारंटी परियोजनाओं के लिए रखा गया है और शेष राशि विकास कार्यों के लिए आवंटित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल द्वारा लगाया गया आरोप सच्चाई से कोसों दूर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा चुनाव में मतदाता ने भाजपा को सबक सिखाया है। हमें 136 सीटें और 43 प्रतिशत वोट मिले। भ्रष्टाचार के कारण भाजपा में केवल 66 लोग ही जीत सके। उन्होंने लोगों के पूर्ण आशीर्वाद से अधिकार नहीं लिया। वह ऑपरेशन कमल के जरिए पिछले दरवाजे से सत्ता में आए। इसका कारण है 'मिस्टर येडीयुरप्पा एट अल' वह कभी भी सामने वाले दरवाजे से सत्ता में नहीं आये। जब राज्य की जीडीपी बढ़ी है तो बजट का आकार भी बढ़ा है। इससे साबित होता है कि विपक्ष के इस आरोप में कोई दम नहीं है कि राज्य में कुछ भी विकास नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि गारंटी योजनाओं के लिए इस वर्ष 36,000 करोड़ रु. हमने खर्च कर दिया है। शक्ति योजना, गृह ज्योति, अन्नभाग्य, गृहलक्ष्मी, युवानिधि इन कार्यक्रमों के लिए 36,000 करोड़ रुपये इस्तेमाल किया गया। अगले बजट में 52,009 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, शांति व्यवस्था को प्राथमिकता दी गयी है।

राज्यपाल से असंवैधानिक सरकार को बर्खास्त करने की अपील : बसवराज बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य की कांग्रेस सरकार संविधान के मुताबिक काम नहीं कर रही है। सरकार राष्ट्रविरोधियों को बचा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि वह राज्यपाल से इस सरकार को बर्खास्त करने की अपील करेंगे।

राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने और राज्यपाल को याचिका सौंपने जाते समय मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज्य को आर्थिक रूप से दिवालिया बना दिया है। मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट हकीकत से कोसों दूर है। अब वह पाकिस्तान के लिए नारे लगाने वालों के बचाव में बोलकर नैतिक रूप से दिवालिया हो गए हैं। उन्होंने उन पर इस तरह का व्यवहार करने का आरोप लगाया जो लोकतंत्र के खिलाफ है। विधान सौधा में ही पाकिस्तान समर्थक नारे लगे और यह देश की सुरक्षा के लिए खतरा है। कांग्रेस सदस्यों को लगता है कि सत्र खत्म होते ही वे यह सब भूल जायेंगे। लेकिन, राज्य की जनता इसे भूलती नहीं है। उन्होंने कहा, हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

मुलाकात

बेंगलूरु में गुरुवार को कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में राज्यपाल थावर चंद गहलोत से मुलाकात की और एक याचिका सौंपी। याचिका में नासिर हुसैन के समर्थकों की राष्ट्रविरोधी नारेबाजी की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण या गुप्तचर ब्यूरो जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों से गहन जांच कराई जानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कानून के तहत मामला दर्ज कर उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।

बीबीएमपी बजट

बेंगलूरु के पुट्टन्ना चेट्टी टाउन हॉल में बृहद् बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) का वर्ष 2024-25 के लिए बजट अनुमान पेश किया गया। विशेष आयुक्त राकेश सिंह और मुख्यआयुक्त तुषार गिरि नाथ की उपस्थिति में वित्त विभाग के विशेष आयुक्त श्री शिवानंद कालाकेरी द्वारा बजट पेश किया गया। वर्ष 2024-25 में कुल राजस्व निगम की आय दीक्षा शुल्क सहित 12,371.63 करोड़ रुपये तथा कुल व्यय 12,369.46 करोड़ रुपये होगा। इस मौके पर विशेष आयुक्त, जोनल कमिश्नर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उद्घाटन

बेंगलूरु में गुरुवार को विधानसौधा के समक्ष मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के 15वें संस्करण का उद्घाटन किया। इस मौके पर विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी, मराठी निदेशक डॉ. जब्बार पटेल, चेक गणराज्य के निर्देशक विएरा लोंगेरोवा, कन्नड़ अभिनेता डॉ. शिवराज कुमार, डॉली धनंजय, कर्नाटक फिल्म कॉमर्स बोर्ड के अध्यक्ष एन. एम. सुरेश सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

न्यायालय ने थूथुकुडी में तांबा गलाने वाले संयंत्र को बंद करने के खिलाफ वेदांता की याचिका खारिज की

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के थूथुकुडी में तांबा गलाने वाले संयंत्र को बंद करने के खिलाफ वेदांता समूह की याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी।

संयंत्र के कारण कथित प्रदूषण को लेकर विरोध प्रदर्शन और पुलिस की कार्रवाई में 13 लोगों की मौत के बाद यह संयंत्र मई, 2018 से बंद है।

लिंगायत और वोक्कालिगा की आपत्ति के बावजूद ‘जातिगत गणना’ रिपोर्ट पेश

मुख्यमंत्री ने रिपोर्ट प्राप्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के.जयप्रकाश हेगडे ने बहुप्रतीक्षित सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को सौंप दी, जिसे आम बोलचाल की भाषा में 'जाति गणना'कहा जाता है। यह रिपोर्ट समाज के कुछ धड़ों और सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के भीतर से ही विरोध के सुर उठने के बीच सामने आयी है। रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद सिद्दरामैया ने संवाददाताओं से कहा, हमें नहीं पता कि रिपोर्ट में क्या है। सरकार को रिपोर्ट प्राप्त हुई है और इसे मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा और चर्चा करने के बाद फैसला लिया जाएगा। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के. जयप्रकाश हेगड़े ने गुरुवार को कन्नड़ और संस्कृति मंत्री शिवराज तंगदागी की मौजूदगी में विधानसभा में सीएम सिद्दरामैया को रिपोर्ट सौंपी।

सिद्दरामैया ने कहा कि जाति आधारित जनगणना रिपोर्ट अब चर्चा के लिए कैबिनेट के सामने रखी जाएगी। हालांकि, उन्होंने रिपोर्ट पर कोई और जानकारी देने से इनकार कर दिया। कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो रिपोर्ट पर कानूनी राय मांगी जाएगी। पहले हमें यह देखना होगा कि रिपोर्ट का अध्ययन करने के लिए कितना समय चाहिए।

कर्नाटक के दो प्रभावशाली समुदायों वोक्कालिगा और लिंगायत ने सर्वेक्षण को लेकर आपत्ति जताई है और इसे अवैज्ञानिक करार दिया है। दोनों समुदायों ने नवीनतम सर्वेक्षण को खारिज करने की मांग की है। विश्लेषकों के मुताबिक मौजूदा सरकार रिपोर्ट जारी करने से परहेज करती रही है क्योंकि सर्वेक्षण के नतीजे कथित रूप से कर्नाटक की विभिन्न जातियों की संख्या को लेकर पारंपरिक धारणा' के विपरीत हैं, खासतौर पर लिंगायतों और वोक्कालिगा को लेकर जो राजनीतिक रूप से बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है।

राज्य के उप मुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष हैं और स्वयं वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। वह उस ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाले मंत्रियों में शामिल हैं जिन्होंने समुदाय की ओर से मुख्यमंत्री से रिपोर्ट और उसके आंकड़ों को खारिज करने की मांग की है।

वीरशैवा-लिंगायत समुदाय के शीर्ष निकाय ऑल इंडिया वीरशैवा महासभा ने भी सर्वेक्षण को अवैज्ञानिक करार देते हुए खारिज कर दिया है और नए सिरे से सर्वेक्षण कराने की मांग की है। इस निकाय के अध्यक्ष कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधायक शमनुरु शिकशानकरप्पा हैं। कई लिंगायत मंत्रियों और विधायकों ने भी सर्वेक्षण और उसके नतीजों का विरोध किया है जिससे कांग्रेस सरकार की मुश्किल बढ़ सकती है। कर्नाटक में 2013-2018 तक सत्तारूढ़ सिद्दरामैया नीत कांग्रेस सरकार ने 2015 में 170 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 'जाति गणना' कराने की मंजूरी दी थी। तत्कालीन अध्यक्ष एच. कांतराजू के नेतृत्व में कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक सर्वे रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मदारी दी गई थी। सर्वेक्षण का कार्य सिद्दरामैया के शासन के अंतिम साल 2018 में पूरा हो गया था लेकिन रिपोर्ट को न तो स्वीकार किया गया,न ही सार्वजनिक किया गया।

द्रमुक ने भाकपा, माकपा को दो-दो सीट की पेशकश की

चेन्नई, 29 फरवरी (भाषा) तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने लोकसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को वाम दलों के साथ सीट बंटवारे को लेकर समझौता कर लिया, जिसके तहत भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) को दो-दो सीट की पेशकश की गई है। द्रमुक की ओर से एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि सीट बंटवारे को लेकर जारी बातचीत को आज अंतिम रूप दे दिया गया है।

REGIONAL RESEARCH INSTITUTE OF UNANI MEDICINE(RRIUM)
No. 1, West Mada Church Road, Royapuram, Chennai - 13
(NABH Accredited)
(A Unit of Central Council for Research in Unani Medicine)
Ministry of Ayush, Govt. of India, New Delhi

Advertisement No. 1/2024
Walk-in-Interview

Eligible candidates are invited for Walk-in-Interview for engagement on purely contractual basis to the following post at RRIUM, Chennai on the under mentioned date and time.

Sl. No	Name of the Post	No. of Posts	Tentative Date & Time of Interview
1.	RA/SRF/JRF (Unani)	3 Nos.	09-03-2024 at 09.00 a.m

Details of requirements, qualifications and experience are available on the Websites : ccrum.res.in / rriumchennai.org

DEPUTY DIRECTOR(U)

विधान परिषद से पास होने में विफल रहा मंदिर विधेयक विधानसभा में पुन: पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दस लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले मंदिरों से राजस्व वसूली के प्रावधान वाले विधेयक को कर्नाटक विधानसभा में पुनर्विचार के लिए बृहस्पतिवार को पेश किया गया, जिसे बाद में सदन ने पारित कर दिया। यह विधेयक पिछले सप्ताह विधान परिषद में भारतीय जनता पार्टी-जनता दल (एस) के पार्षदों के विरोध के कारण पारित नहीं हो सका था।

कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक, 2024 को अब सीधे राज्यपाल के पास उनकी सहमति के लिए भेजा जाएगा, जिसके बाद यह कानून बन जाएगा। निम्न सदन में 21 फरवरी को पारित किए जाने के बाद यह विधेयक 23 फरवरी को उच्च सदन में ध्वनिमत से गिर गया था, क्योंकि यहां विपक्ष के पास बहुमत है।

विधानसभा में बृहस्पतिवार को विधेयक पेश करते हुए हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती (मुजराई) मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा, ''विधेयक पहले विधानसभा द्वारा पारित किया गया था, लेकिन विधान परिषद में यह पारित नहीं हो सका था। मैं इस सदन से अनुरोध करता हूं कि विधेयक को एक बार फिर से पारित कर दिया जाए।''

इसके बाद अध्यक्ष यू. टी. खादर ने विधेयक को मतदान के लिए पटल पर रखा और इसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग को मुजराई विभाग के नाम से जाना जाता है। यह लगभग 35,000 हिंदू धार्मिक संस्थानों का प्रबंधन करता है, जो कर्नाटक सरकार से अनुदान प्राप्त करते हैं।

विपक्षी भाजपा और जद (एस) के सदस्य बृहस्पतिवार को विधेयक पारित होने के समय विधानसभा में मौजूद नहीं थे, क्योंकि उन्होंने कांग्रेस नेता सैयद नासिर हुसैन को राज्यसभा के लिए निर्वाचित घोषित किए जाने के बाद कथित तौर पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाने वाले दोषियों को पकड़ने में निष्क्रियता के लिए सरकार के इस्तीफे की मांग को लेकर सदन से बहिर्गमन किया था।

मुजराई विभाग के संशोधन विधेयक ने एक बड़ा विवाद पैदा कर दिया था, क्योंकि इससे विपक्ष, विशेषकर भाजपा, नाराज हो गई थी। भाजपा ने दावा किया है कि सत्तारूढ़ कांग्रेस मंदिर के पैसे से अपने खाली खजाने को भरने की कोशिश कर रही है।

।। श्री आदिनाथाय नमः ।।

फूलों की नगरी श्री बेंगलूर नगरे शांतिनगर मध्ये
श्री शांतिनगर जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ
के तत्वावधान में
श्री आदिनाथ जिनालय, दादावाड़ी एवं भोमियाजी मंदिर
की 18वीं वर्षगांठ-19वां ध्वजारोहण महोत्सवे

सकल श्री संघों को भावभरा हार्दिक आमंत्रण
शुभ दिन : फाल्गुण वदी 6 दि. 01.03.2024 शुक्रवार

पावन निश्रा
श्री अवंति पार्श्वनाथ तीर्थ जीर्णोद्धारक युग दिवाकर प.पू. खरतरगच्छधिपति प.पू. आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभसूरिश्वरजी म.सा. के शिष्य श्री मुक्तिप्रभसागरजी म.सा. आदि ठाणा - ३
राष्ट्रसंत प.पू. आचार्य भगवंत श्री पद्मसागरसूरीश्वरजी म.सा. के समुदायवर्ती प. पू. मूनिराज श्रीराजपद्मसागरजी म.सा. (राजा महाराजा) एवं प. पू. मुनिराजश्री श्रमणपद्मसागरजी म.सा. ठाणा -२

मगंलमय कार्यक्रम : शुक्रवार, दि. 01.03.2024, प्रात : 9.15 बजे
प्रात : 07.30 बजे : सत्तरभेदी पूजा प्रारंभ होगी
प्रात : 8.30 बजे बोथरा परिवार के निवास स्थान से बाजते गाजते सकल श्री संघ के साथ ध्वजा का वरघोड़ा एवं गुरुदेव का पदार्पण एवं मंगलाचरण
एवं प्रात : 9.15 बजे ध्वजारोहण पश्चात
श्रीमती भीखीबाई पूनमचन्दजी लुणावत जैन स्थानक भवन में सकल श्री संघ का अल्पाहार होगा।

विधिविधान : श्री तुषार गुरुजी द्वारा संगीतकार : राजू सिसोदिया एंड पार्टी
श्री आदिनाथ जैन नवयुवक मंडल, श्री शांतिनाथ जैन संगीत महिला मंडल, श्री स्थूलभद्रसूरी जैन सामायिक महिला मंडल, श्री आदिनाथ जैन सेवा मंडल, शांतिनगर द्वारा सुन्दर व्यवस्था

अमरध्वजा के लाभार्थी
शा. राजेन्द्रकुमारजी त्रिलोककुमारजी बोथरा परिवार
मलबरी सिल्क लि. (मरुधर में बीकानेर) बेंगलूर-कोलकाता

निमंत्रक : श्री शांतिनगर जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ
नं. 370, सातवां क्रॉस, लक्ष्मी रोड, शांतिनगर, बेंगलूर-27 फोन : 41713538

पूर्व सैनिकों और आश्रितों की समस्याओं का समयबद्ध समुचित समाधान हो : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने पूर्व सैनिकों और आश्रितों की समस्याओं का समयबद्ध समुचित समाधान पर जोर देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में जिला और तहसील स्तर पर युद्ध स्मारक की स्थापना की जाए। मिश्र राजभवन में राज्य सैनिक बोर्ड की 16वीं बैठक में संबोधित कर रहे थे। राजभवन के बयान के अनुसार बैठक में मिश्र ने कहा है कि राज्य में जिला और तहसील स्तर पर युद्ध स्मारक की स्थापना की जाए। उन्होंने इसके लिए चरणबद्ध रूप कार्य करने और उन्हें इस तरह से तैयार किए जाने की आवश्यकता जताई जिससे लोगों में राष्ट्र भक्ति के भावों का संचार हो।

राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं और आश्रितों से संबंधित योजनाओं और निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वित्त, कार्मिक और राज्य के अन्य विभागों द्वारा प्रभावी कार्य किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने पूर्व सैनिकों की समस्याओं के प्रभावी निराकरण के लिए भी गंभीरतापूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलों में पूर्व सैनिकों से जुड़े भूमि संबंधित विवादों के निराकरण के लिए भी गंभीरतापूर्वक काम किए जाने के निर्देश दिए।

मिश्र ने बैठक में पूर्व सैनिकों के आश्रितों के नियोजन में आ रही समस्याओं के त्वरित निराकरण, पूर्व सैनिक कल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं का व्यावहारिक परीक्षण करवाकर नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन और छह छह माह में सैनिक कल्याण बोर्ड बैठक कर लिए गए निर्णयों पर प्रभावी कार्रवाई के भी निर्देश दिए।

सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से भारतीय सैनिकों का मान-सम्मान बढ़ा हैं। उन्होंने अग्निवीर योजना, 'वन रैंक वन पेंशन' आदि को महती बताते हुए कहा कि राज्य सरकार भी इसी तर्ज पर सैनिक कल्याण के कार्य तेजी से करेगी। राज्य के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार पूर्व सैनिकों, आश्रितों और वीरांगनाओं की समस्याओं के समयबद्ध निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

सांचौर में बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने सांचौर जिले में बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद कर एक ट्रक सहित सात वाहन जब्त किए हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि उसने पंजाब निर्मित अवैध शराब के 484 कार्टून जब्त किए। उसके अनुसार यह शराब पंजाब से तस्करी कर लाई गई थी जिसे गुजरात भेजा जाना था।

अतिरिक्त महानिदेशक (अपराध) दिनेश एम एन ने बताया कि पुलिस ने पलादर गांव में गणपत लाल के घर दबिश दी और वहां खड़े एक ट्रक एवं दो अन्य वाहनों से पंजाब निर्मित अलग-अलग ब्रांड की शराब के कुल 484 कार्टून (पेटी) बरामद किये तथा इस सिलसिले में कुल सात गाड़ियां जब्त कीं। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पंजाब से ट्रकों में तस्करी कर शराब सांचौर थाना इलाके में लाई जाती है।

वहां से इस अवैध शराब को अन्य छोटी-छोटी गाड़ियों में लोड कर तस्करी के जरिए गुजरात भेजा जाता है। पुलिस को देख मौके पर खड़े दो व्यक्ति फरार हो गए।

संस्कारयुक्त शिक्षा से ही बनेंगे श्रेष्ठ नागरिक : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा से ही श्रेष्ठ नागरिक बनेंगे। श्री दिलावर गुरूवार को एक निजी होटल में आयोजित 'जीवन कौशल सशक्त शिक्षा' पर आधारित सेमिनार को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्कारित एवं सशक्त शिक्षा से जीवन उन्नत बनेगा और उन्नत नागरिकों के विचार भी श्रेष्ठ होंगे, जिससे परिवार, समाज एवं देश सशक्त बनेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारी कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन एवं माता-पिता और गुरूजन का सम्मान बहुत जरूरी है। अच्छा इंसान बनने के लिए अंक महत्वपूर्ण नहीं है अपितु जीवन मूल्य महत्व रखते हैं। माता-पिता को भी अपने बच्चों पर उनकी क्षमता से अधिक अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में खुशहाली का संबंध संसाधनों से नहीं संतोष से है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में भी रोजगार के साथ संस्कारयुक्त शिक्षा पर जोर दिया गया है। नई शिक्षा नीति का लक्ष्य विद्यार्थी का सम्पूर्ण विकास जिसे साक्षरता, संख्या ज्ञान, तार्किकता, समस्या समाधान, नैतिक, सामाजिक, भावनात्मक मूल्यों के विकास के द्वारा संभव किया जा सके। इसमें विशेष रूप से जीवन कौशल को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की सिफारिश की गई है। इस नीति का मकसद छात्रों को 21वीं सदी के जीवन कौशल से लैस करना है। इन कौशल में टीम वर्क, रचनात्मकता, महत्वपूर्ण सोच और समस्या-समाधान शामिल है।

इस अवसर पर शासन सचिव, शिक्षा, श्री नवीन जैन ने कहा कि विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए अधिक शिक्षण दिवस उपलब्ध करवाने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को विषय का चयन अपनी रूचि एवं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए करना चाहिए। विद्यार्थियों को अपने परिजनों एवं गुरूजनों के प्रति कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए। उन्होंने नई पीढ़ी को सूचना एवं ज्ञान में अंतर करने के योग्य बनाने तथा विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता लाने की बात कही। सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के लिए जन कल्याण पोर्टल सभी के लिए उपयोगी बताया।

सेमिनार में पैनल डिस्कशन के दौरान राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद श्री अविचल चतुर्वेदी ने कहा कि 21वीं सदी में आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने के लिए जीवन कौशल की शिक्षा आवश्यक है।

कम उम्र में ही छात्रों पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों का दबाव रहता है। निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, श्री आशीष मोदी ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के पाठ्यक्रम को डिजिटाइज्ड कर दिया गया है। उन्होंने बदलते परिदृश्य में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। पीरामल फाउंडेशन के श्री सौरभ जौहरी ने पैनल डिस्कशन के दौरान जीवन कौशल प्रशिक्षण के संबंध में विस्तार से बताया।, श्रीमती अंशु दूबे, श्रीमती वैजयन्ती शंकर, श्री अर्जुन एवं उप निदेशक श्री कमलेन्द्र राणावत ने भी विचार व्यक्त किये।

राजस्थान पुलिस ने 'ऑनलाइन फ्रॉड' पर लगाम कसने के लिए 'मीशो' के साथ एमओयू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस प्रदेश में 'ऑनलाइन फ्रॉड' को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करने और साइबर ठगी की घटनाओं पर लगाम कसने के लिए ई-कॉमर्स कम्पनी 'मीशो' के साथ मिलकर कार्य करेगी। इस बारे में जयपुर में पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक (साइबर अपराध), एससीआरबी एवं तकनीकी सेवाएं डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा की मौजूदगी में एक समझौता (एमओयू) किया गया है। राजस्थान पुलिस की ओर से पुलिस अधीक्षक, एससीआरबी मनीष कुमार चौधरी और 'मीशो' की तरफ से 'जनरल काउंसिल' लोपमुद्रा राव ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। पुलिस के एक बयान के मुताबिक, इस समझौते के तहत ऑनलाइन लेनदेन की सुरक्षा से सम्बंधित सभी आवश्यक मुद्दों पर सोशल मीडिया मंच एवं पक्षकारों के प्रशिक्षण के जरिए जन जागरूकता की दिशा में कार्य किया जाएगा।

उसमें कहा गया है कि इससे लोगों में सर्तकता और सजगता के साथ सुरक्षित डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए माहौल तैयार किया जाएगा। बयान में बताया गया है कि 'मीशो' पूर्व में कर्नाटक पुलिस के साथ भी इस क्षेत्र में कार्य कर चुकी है। अब यह राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर कार्य करेगी। मेहरड़ा ने बताया, ऑनलाइन लेनदेन की दुनिया में लोगों को भ्रमित करके धोखाधड़ी के कई नए तरीके प्रकाश में आ रहे हैं। ऐसे में इस समझौते के तहत लोगों में जागरूकता के जरिए सुरक्षित डिजिटल लेनदेन का वातावरण बनाने के लिए राजस्थान पुलिस के विशेषज्ञ और ई-कॉमर्स कम्पनी 'मीशो' के विशेषज्ञ साझेदारी में कार्य करेंगे।

अदालत ने सिलसिलेवार बम विस्फोट मामले में टुंडा को बरी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अजमेर की एक अदालत ने लगभग तीन दशक पहले देश भर में पांच ट्रेन में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में मुख्य आरोपी अब्दुल करीम टुंडा को बृहस्पतिवार को बरी कर दिया। आतंकवाद और विघटनकारी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (टाडा) अदालत ने दो अन्य आरोपियों इरफान और हमीदुद्दीन को इस मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। याचिकाकर्ता के वकील शफकत सुल्तानी ने अजमेर में संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, अब्दुल करीम टुंडा को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है। अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत पेश नहीं कर सका।

टाडा अदालत ने 30 सितंबर 2021 को मामले के मुख्य आरोपी और दाऊद इब्राहिम के करीबी 81 वर्षीय अब्दुल करीम टुंडा तथा दो अन्य - इरफान उर्फ पप्पू व हमीदुद्दीन - के खिलाफ पांच-छह दिसंबर 1993 की मध्यरात्रि को हैदराबाद, सूरत और मुंबई लखनऊ, कानपुर में विस्फोटों की साजिश रचने के आरोप तय किए थे। याचिकाकर्ताओं के वकील अब्दुल रशीद ने संवाददाताओं को बताया कि इरफान और हमीदुद्दीन को बम रखने के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

ऊर्जा के क्षेत्र में गेमचेंजर साबित होगी पीएम सूर्यघर योजना : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में ऊर्जा क्षेत्र की भागीदारी अहम है। नागर गुरुवार को मानसरोवर स्थित परिष्कार कॉलेज में परिष्कार कॉलेज ऑफ ग्लोबल एक्सीलेंस तथा राजस्थान सोलर एसोसिएशन की ओर से प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना उद्यमिता, कौशल विकास, अवसर एवं चुनौतियां विषय पर कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रूफ टॉप सोलर के माध्यम से देश के एक करोड़ घरों को सौर ऊर्जा से रोशन करने के लक्ष्य के साथ मोदी ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली जैसी महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। इस योजना के जरिये आने वाले वक्त में राजस्थान देश में सोलर एनर्जी का बड़ा हब बनकर उभरेगा।

उन्होंने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना आमजन की बिजली की जरूरतों को पूरा करने के साथ ही सौर ऊर्जा के क्षेत्र में गेमचेंजर सिद्ध होगी। मोदी के प्रयासों से भारत विश्व में नवीकरणीय ऊर्जा का सबसे प्रमुख उत्पादक देश बनने जा रहा है, जहां हर घर सौर ऊर्जा से रोशन होगा।

नागर ने कहा कि आने वाला वक्त नवीकरणीय ऊर्जा का है। सौर ऊर्जा को जिस तरह से बढ़ावा मिल रहा है। उसे देखते हुए वेंडरों, तकनीशियनों तथा कुशल मानव संसाधन की मांग बढ़ेगी। ऐसे में इस सेक्टर में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजित होंगे। उन्होंने शैक्षणिक संस्थाओं, विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे देश में सौर ऊर्जा क्रांति को बढ़ावा देने की मुहिम में सहभागी बनें।

उन्होंने कार्यशाला में उपस्थित शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा राजस्थान सोलर एसोसियेशन के पदाधिकारियों एवं विशेषज्ञों को ऊर्जा संरक्षण की शपथ दिलायी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं रखेगी। उन्होंने कहा कि अपनी अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियों तथा राज्य सरकार के प्रयासों के कारण राजस्थान इस क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा।

अलवर में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में अलवर जिले के नौगांव थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार सुबह आगे चल रहे डंपर में एक वाहन के घुस जाने से उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। थानाधिकारी भूपेन्द्र सिंह जाट ने बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार से जा रही एक गाड़ी आगे चल रहे डंपर में जा घुसी जिससे उसमें सवार मुस्तकीन (25), राशिद (25) और आसफ अली खान (24) की मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति जाहिद (24) गंभीर रूप से घायल हो गया।

उन्होंने बताया कि जाहिद को इलाज के वास्ते जयपुर ले जाया गया जबकि जान गंवाने वाले अन्य तीन लोगों के शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिये गये । उन्होंने बताया कि इस संबंध में डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बजरी से भरे सात कंटेनर पकड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के वैशाली नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने बजरी परिवहन मामले में कार्रवाई करते हुए बजरी से भरे हुए सात कंटेनर पकड़े है। यह कारवाही प्रक्षिशु आईपीएस रोशन मीणा ने की ओर सभी बजरी से भरे हुए कंटेनर थाने पर खड़े कराए गए। इस मामले की सूचना खनन विभाग को दी। उसके बाद मौके पर खनन विभाग की टीम पहुंची और बजरी से भरे हुए कंटेनरों के रव्वने की जांच की गई लेकिन रव्वने का एक्सपायरी समय जा चुका था। जिस पर खनन विभाग ने प्रत्येक कंटेनर पर चार से पांच लाख रुपए का चालान किया है।

इस मामले में प्रशिक्षु आईपीएस मीणा ने बताया कि आज सुबह सात बजे जब वह थाने से गस्त करने के लिए निकले तो हनुमान चैराहे पर बजरी से भरे हुए कंटेनर उनको खड़े हुए मिले, जिनकी जांच की गई। जांच में उनसे बजरी का रव्वना मांगा तो रव्वना का समय जा चुका था। उसके बाद सभी कंटेनरों को थाने पर लाकर खड़ा किया गया और इस मामले की सूचना खनन विभाग को दी। खनन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और इन कंटेनरों का 30 लाख रुपये का चालान किया गया है।

दुष्कर्म मामले में दोषी को 20 वर्ष का कारावास

अजमेर। राजस्थान में अजमेर स्थित पोक्सो न्यायालय संख्या-1 के न्यायाधीश ने बुधवार को अपने फैसले में पांच साल की मासूम के साथ दुष्कर्म के मामले में आरोपी को 20 साल का कारावास की सजा सुनाई। विशिष्ट लोक अभियोजक रूपेन्द्र सिंह परिहार ने बताया कि प्रकरण 28 अगस्त 2023 का है जब केकड़ी शहर थाने में दादा ने अपनी पांच साल की पोती के साथ दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज कराई।

आत्मविश्वास, संकल्प व पूर्ण परिश्रम ही सफलता का आधार : राजेश्वर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्व मंडल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने कहा कि कर्म क्षेत्र में आत्मविश्वास, संकल्प व पूर्ण परिश्रम के साथ दायित्वों का निर्वहन ही सफलता का प्रमुख आधार है।

सिंह गुरुवार को राजस्व मंडल सभागार में मंडल सदस्य रामनिवास जाट एवं विष्णु कुमार गोयल की सेवानिवृत्ति के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दोनों अधिकारियों की कार्यशैली की भूरीभूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि समर्पित अनुभवी एवं कर्तव्यनिष्ठ छवि वाले अधिकारियों ने अपने कार्य व्यवहार से मंडल में विशेष छाप छोड़ी है।

समारोह में रामनिवास जाट एवं विष्णु कुमार गोयल ने अपने राजकीय सेवा के अनुभव साझा करते हुए परिश्रम को सफलता का आधार बताया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष ने दोनों अधिकारियों को साफा, माल्यार्पण एवं गीता भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में राजस्व मंडल निबंधक महावीर प्रसाद सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद थे।

भारत में हो रही एक नई रेल क्रांति : दीप्ति

राजसमंद। विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने कहा कि भारत में बड़े स्तर पर रेलवे का विकास किया जा रहा है। देश में अभी एक नई रेल क्रांति चल रही है। विगत 10 वर्षों में 26000 किलोमीटर से अधिक नहीं रेल लाइन बिछाई गई है। देश का 90% रेल पथ तंत्र का विद्युतीकरण किया जा चुका है। 10000 किलोमीटर से अधिक लाइनों का दोहरीकरण किया गया है। सारे देश में एकल गेज का कार्य 90% से अधिक पूरा हो चुका है।

लव जेहाद के मामले में दो लड़कियों सहित तीन गिरफ्तार

अलवर। राजस्थान में अलवर शहर के कोतवाली थाना अंतर्गत एक मोहल्ले में किराए पर रहने वाली हिंदू लड़कियों से दोस्ती कर 'लवजेहाद' कराने के मामले में पुलिस ने दो लडकियों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने बताया कि गत 27 फरवरी को अलवर में कॉलेज में पढने वाली दो लड़कियों ने थाना कोतवाली में एक शिकायत दी कि उनकी दो रूममेट काजल उर्फ बबीता और सकीना मेव है जो धर्म परिवर्तन करने की बात कहती हैं और जबरन वसीम नामक युवक से दोस्ती करने की बात कहती है।

इस मामले में पुलिस ने 27 फरवरी को धारा 151 में पाबंद कराया था। उसके बाद जब यह मामले की गंभीरता से जांच की गई तो इस मामले में धर्म परिवर्तन से जुड़ा मामला सामने आया और आज तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और इस मामले की जांच उपपुलिस अधीक्षक शहर नारायणसिंह को सौंपी है।

दीया कुमारी ने अविवाहित महिलाओं को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका बनने के लिए चयन शर्तों में संशोधन को दी स्वीकृति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने चयन शर्तों में संशोधन को स्वीकृति देकर राज्य में अविवाहित महिलाओं के लिए भी आंगनबाड़ी

कार्यकर्ता एवं सहायिका बनने का रास्ता खोल दिया है। श्रीमती दीया कुमारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन अनुसार महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में पहली बार ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के पदों के आवेदन करने के लिए सभी महिलाएं पात्र होंगी। इसके लिए चयन शर्तों में संशोधन किया गया है।

महिला एवं बाल विकास शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बताया कि उप मुख्यमंत्री के द्वारा आंगनबाड़ी मानदेय कर्मियों की चयन शर्तों में संशोधन की स्वीकृति देकर अविवाहित महिलाओं को भी इस क्षेत्र में अवसर देने की पहल की गई है। कुणाल ने बताया कि उपमुख्यमंत्री ने राज्य में जो साथिन दो वर्ष की कार्य निरंतरता का अनुभव रखती हैं उन्हें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के लिए आवेदन करने पर अनुभव में वरीयता दी जाने को स्वीकृति दी है। इसके लिए उन्हें बोनस में चार अंक दिए जाएंगे जो उनका चयनित होना और आसान करेंगे। उन्होंने बताया कि उपमुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका और साथिनों के मानदेय में भी 10 प्रतिशत की वृद्धि को भी स्वीकृति दी है और बढ़ा हुआ दस प्रतिशत मानदेय आगामी अप्रैल महीने से शुरू हो रहे वित्त वर्ष में मिलना शुरू हो जाएगा।

FORM IV (See Rule 8)

Statement about ownership and other particulars about the newspaper

DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT

1.Place of Publication : #6/4, Ist Floor, Cantonment Station Road, Bangalore 560 051.
2.Periodicity of Publication : Daily
3.Printer's Name : Devendra Sharma
Nationality : Indian
Address : #12/1, Sowrashtrapet Main Road, Bangalore 560 053.
4.Publisher's Name : Devendra Sharma
Nationality : Indian
Address : #12/1, Sowrashtrapet Main Road, Bangalore 560 053.
5.Editor's Name : Shreekant Parashar
Nationality : Indian
Address : #12/1, Sowrashtrapet, Bangalore 560 053.
6. Names and addresses of individuals who own the newspaper and partners or shareholders holding more than one percent of the total capital : **Owner :** New Media Company, '6/4, Ist Floor, Cantonment Station Road, Bangalore 51.

I, Devendra Sharma, hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Date : 29/02/2024
Place : Bengaluru.

Sd/
Signature of Publisher

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बोलते : हरदीप पुरी

भारतीय जनता पार्टी को 370 सीट मिलने का दावा संतुलित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आगामी लोकसभा चुनाव में 370 सीट पर जीत दर्ज करने का पूर्वानुमान बहुत संतुलित है और वह कभी बढ़ा-चढ़ाकर दावा नहीं करते।

पुरी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि योजनाओं के कार्यान्वयन की समयसीमा को लेकर प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया बयान हमेशा गहन और व्यापक शोध और कई लोगों से मिली जानकारी पर आधारित होते हैं। उन्होंने कहा कि इसके बाद वह इस पर एक समग्र राजनीतिक मोहर लगाते हैं। पुरी ने कहा, 2014 में हम जैव ईंधन मिलाने को लेकर बुरी तरह असफल रहे और उससे पहले के 10 साल में 10 राज्य व केंद्र शासित प्रदेश 1.5 प्रतिशत जैव ईंधन मिलाने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सके। उन्होंने कहा, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सत्ता में आए तो उन्होंने कहा कि हम इस स्थिति को बदलेंगे। हम नवंबर 2022 तक 10 प्रतिशत जैव ईंधन मिलाने का कार्य करेंगे और 2030 तक यह 20 प्रतिशत के स्तर पर पहुंचाएंगे। हम तय अवधि से पांच महीने पहले ही 10 प्रतिशत जैव ईंधन मिलाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हुए।

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री कुछ भी बढ़ा-चढ़ाकर नहीं कहते हैं। इस महीने के शुरुआत में मोदी ने भरोसा जताया था कि अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 400 से अधिक सीट पर जीत दर्ज करेगा और भाजपा को कम से कम 370 सीट मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि वह इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि विपक्षी पार्टियों ने चुनाव लड़ने की हिम्मत छोड़ दी है और लंबे समय तक विपक्ष में रहने का संकल्प लिया है।

हिंद महासागर क्षेत्र में चुनौतियों से निपटने में भारत और मॉरीशस स्वाभाविक साझेदार : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को मॉरीशस में भारत की सहायता वाली कई विकास परियोजनाओं का डिजिटल तरीके से उद्घाटन करने के बाद कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में पारंपरिक एवं गैर-पारंपरिक चुनौतियों से निपटने के लिए दोनों देश समुद्री क्षेत्र में स्वाभाविक साझेदार हैं। मॉरीशस के अगालेगा द्वीप में भारतीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं को महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि उनसे क्षेत्र में रणनीतिक जल क्षेत्र में संपर्क के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा और निगरानी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ के साथ परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद मोदी ने घोषणा की कि मॉरीशस भारत की जन औषधि योजना में शामिल होने वाला पहला देश होगा। इस योजना के तहत किफायती दरों पर गुणवत्ता वाली दवाएं प्रदान की जाती हैं।

मोदी ने अपनी टिप्पणी में हिंद महासागर क्षेत्र में चुनौतियों पर चिंता जताई और कहा कि भारत और मॉरीशस समुद्री क्षेत्र में इनसे निपटने के लिए 'स्वाभाविक साझेदार' हैं। उन्होंने कहा, हिंद महासागर क्षेत्र में कई पारंपरिक और गैर पारंपरिक चुनौतियां उभर रही हैं। ये सभी चुनौतियां हमारी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। चुनौतियों से निपटने के लिए भारत और मॉरीशस समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में स्वाभाविक साझेदार हैं। उन्होंने कहा, हम हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा, समृद्धि और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। हम विशेष आर्थिक क्षेत्र की निगरानी, संयुक्त गश्त, हाइड्रोग्राफी और मानवीय सहायता और आपदा राहत जैसे सभी क्षेत्रों में एक साथ सहयोग कर रहे हैं। मोदी की यह टिप्पणी हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के बढ़ते सैन्य दखल को लेकर नई दिल्ली में बढ़ती चिंताओं के बीच आई है। उन्होंने कहा कि अगालेगा द्वीप पर हवाई पट्टी और जेटी का उद्घाटन सहयोग को और आगे बढ़ाएगा। मोदी ने मॉरीशस को भारत की 'पड़ोस प्रथम' नीति के तहत एक महत्वपूर्ण साझेदार बताया और कहा कि दोनों देशों ने पिछले कुछ वर्षों में आपसी सहयोग में 'नई ऊंचाइयां' हासिल की हैं। हमारी विकास साझेदारी मॉरीशस की प्राथमिकताओं पर आधारित है। चाहे वह मॉरीशस की ईईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र) सुरक्षा से संबंधित जरूरत हो या स्वास्थ्य सुरक्षा, भारत ने हमेशा मॉरीशस की जरूरतों का सम्मान किया है। मोदी ने कहा कि भारत के प्रयासों का मूल उद्देश्य मॉरीशस के आम लोगों के जीवन में सार्थक बदलाव लाना है। आज का दिन हमारी विकास साझेदारी के लिए विशेष महत्व रखता है। मुझे बेहद खुशी है कि आज हम 2015 में किए गए अपने वादे को पूरा होते हुए देख रहे हैं।

शाहजहां शेख अब 'कानूनी संरक्षण' में : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को शाहजहां शेख की गिरफ्तारी को उन्हें मिली हुई 'कानूनी सुरक्षा' बताया और संदेशखालि में तृणमूल कांग्रेस के नेता के खिलाफ कई महिलाओं द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने के अपराध के लिए उन पर आरोप नहीं लगाने के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस की आलोचना की।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शेख को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हिंसक हमले के मामले में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने सवाल किया कि जब ईडी मामले में उसे पश्चिम बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार किया है तो उसे केंद्रीय एजेंसी को क्यों नहीं सौंप दिया गया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी के दौरान शाहजहां शेख का जो हावभाव था वह किसी गुनहगार का नहीं लग रहा था। उन्होंने कहा, शाहजहां शेख महफूज ठिकाने पर ममता सरकार की दामन-ए-रहमत में कहीं पर सुरक्षित था। अब उसे दोबारा हिफाजत देने के लिए ताकि उसे ईडी और सीबीआई द्वारा गिरफ्तार न किया जा सके, इसलिए पश्चिम बंगाल पुलिस की मेहमान नवाजी में ले जाया गया है। उन्होंने कहा, मैं मेहमान नवाजी इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि गिरफ्तारी के दौरान शाहजहां शेख की जो भाव भंगिमा थी, वह किसी गुनहगार की नहीं लग रही थी। शाहजहां शेख को अभी तक 'सेक्युलर प्रोटेक्शन' प्राप्त था, अब उसे 'लीगल प्रोटेक्शन' प्राप्त है। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि आरोपी को 'विक्ट्री साइन' दिखाते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी सरकार 'मुगल मानसिकता' की प्रतीक है।

ओडिशा सरकार सभी जिलों में डिजिटल फसल सर्वेक्षण कराएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने किसानों की खेती का सटीक रकबा पता लगाने के लिए राज्य भर में एक डिजिटल फसल सर्वेक्षण कराने का फैसला किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह सर्वेक्षण पहली बार वर्ष 2023-24 के खरीफ फसल सत्र में चार जिलों - नुआपाड़ा, नयागढ़, देवगढ़ और भद्रक में किया गया था।

कृषि विभाग में प्रमुख सचिव अरबिंद कुमार पाधी ने कहा कि इस कार्य का विस्तार राज्य के बारी 26 जिलों तक किया जाएगा। उन्होंने कहा, सर्वेक्षण से हमें राज्य के विभिन्न हिस्सों में खेती-योग्य भूमि के सटीक आंकड़े प्राप्त करने और उसके हिसाब से योजना एवं नीति बनाने में मदद मिलेगी।

इस सर्वेक्षण में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एक मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश : वकीलों से मारपीट के आरोप में छह उपनिरीक्षकों समेत 18 पुलिसकर्मियों पर मुकदमा

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कुछ वकीलों की बर्बरतापूर्ण पिटाई और झूठे मुकदमे में फंसाने के आरोप में छह उपनिरीक्षकों और एक सिपाही समेत 18 पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बुधवार देर रात लखनऊ के विभूति खंड थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने शिकायतकर्ता के हवाले से बताया कि 23 फरवरी की रात अधिवक्ताओं का एक समूह विभूति खंड स्थित समिट बिल्डिंग के 'माई बार' में खाना खाने गया था, जहां रात 11 बजे दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। शिकायतकर्ता के मुताबिक, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस टीम में उपनिरीक्षक राहुल बालियान समेत 10 से 12 अज्ञात पुलिसकर्मी शामिल थे, जिन्होंने बार का मुख्य दरवाजा बंद कर दिया हालांकि तब तक दोनों पक्षों के लोग वहां से भाग चुके थे। शिकायत में बताया गया कि जब वकील भोजन करके बाहर जाने के लिए बार के द्वार की तरफ बढ़े तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोक लिया और गालियां देने लगे, जिसका विरोध करने पर पुलिस ने वकीलों की पिटाई कर दी।

न्यायमूर्ति पसायत जगन्नाथ मंदिर 'रत्न भंडार' में आभूषणों की सूची संबंधी समिति की अध्यक्षता करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर के 'रत्न भंडार' में रखे आभूषणों और अन्य कीमती वस्तुओं की सूची की निगरानी के लिए बृहस्पतिवार को एक उच्चस्तरीय समिति के गठन की घोषणा की। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अरिजीत पसायत इस समिति की अध्यक्षता करेंगे।

पटनायक ने दशकों से बंद पड़े 'रत्न भंडार' की सूची के लिए उड़ीसा उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार समिति के गठन की घोषणा की। न्यायमूर्ति पसायत 12 सदस्यीय समिति की अध्यक्षता करेंगे और वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ रमाकांत पांडा समिति के उपाध्यक्ष होंगे। समिति रत्न भंडार में संग्रहीत कीमती वस्तुओं की सूची की प्रक्रिया की निगरानी करेगी। समिति के अन्य सदस्यों में बिधुभूषण सामल (इलाहाबाद बैंक के पूर्व अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक), ए.के. साबत (चार्टर्ड अकाउंटेंट), पुरी के राजा गजपति दिब्यसिंघ देब के प्रतिनिधि, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रतिनिधि, दुर्गा प्रसाद दास मोहपात्रा (सेवक), माधव चंद्र मोहपात्रा (सेवक), जगन्नाथ कर (सेवक), गणेश मेकप (सेवक), पुरी के जिलाधिकारी और श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक शामिल हैं। उड़ीसा उच्च न्यायालय ने पिछले साल सितंबर में राज्य सरकार को रत्न भंडार की सूची की निगरानी के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्देश दिया था।

सरकार शरणार्थियों का बायोमेट्रिक विवरण एकत्र नहीं करेगी : लालदुहोमा

आइजोल/भाषा। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार म्यांमा और बांग्लादेश के शरणार्थियों का बायोमेट्रिक विवरण एकत्र नहीं करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र वर्तमान में म्यांमा और बांग्लादेश के शरणार्थियों और मणिपुर के आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (आईडीपी) को राहत देने के लिए राज्य सरकार को सहायता प्रदान कर रहा है।

लालदुहोमा ने बृहस्पतिवार को विधानसभा को यह जानकारी दी कि गृह मंत्रालय ने पिछले साल अप्रैल में राज्य सरकार को म्यांमा और बांग्लादेश के शरणार्थियों का बायोमेट्रिक विवरण एकत्र करने का निर्देश दिया था।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) सरकार ने केंद्र के निर्देशानुसार काम शुरू कर दिया था लेकिन पिछले साल सितंबर में मंत्रिपरिषद ने नवंबर में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए यह काम रोकने का फैसला किया था।

'नीतीश कुमार को राजद, कांग्रेस में दलबदल से चिंतित होना चाहिए'

पटना/भाषा। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और सहयोगी दल कांग्रेस के विधायकों के दलबदल को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चिंतित होना चाहिए और उन्हें दीवार पर लिखी इबारत पढ़नी चाहिए। राजद के संस्थापक लालू प्रसाद की पत्नी राबड़ी देवी ने यह दावा भी किया कि भाजपा उनके विधायकों को इस विश्वास के साथ 'खरीद' रही है कि बिहार में राजनीतिक लड़ाई दोनों दलों के बीच है। राजद की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कहा, बिहार में अब राजद बनाम भाजपा है। कोई तीसरी ताकत नहीं है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) यह बात जानती है, यही कारण है कि वह हमारे लोगों को अपने पाले में ले जाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, लेकिन हम चिंतित नहीं हैं। अगर किसी को चिंता करने की जरूरत है, तो वह जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष नीतीश कुमार हैं। उन्हें दीवार पर लिखी इबारत पढ़ने की जरूरत है। भाजपा यूं ही विधानसभा में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश नहीं कर रही है।

खिलाड़ियों को डिजिटल सर्टिफिकेट जारी किए जाएंगे : खेलमंत्री ठाकुर

नई दिल्ली/भाषा। खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि सरकार देश भर में रजिस्टर्ड खिलाड़ियों को डिजिटल सर्टिफिकेट देगी। इस पहल से खिलाड़ियों के प्रदर्शन और प्रतिभागिता को लेकर पारदर्शिता बनी रहेगी। डिजिटल सर्टिफिकेट में खिलाड़ियों की प्रतिस्पर्धाओं में भागीदारी की तारीफ रहेगी और यह उनकी उपलब्धियों का सबूत भी होगा। ठाकुर ने एक्स पर लिखा, हमारे खेल ढांचे की धुरी खिलाड़ी हैं और इसे ध्यान में रखकर खेल मंत्रालय ने उन्हें डिजिटल सर्टिफिकेट देने का अहम फैसला किया है। खेलमंत्री ने खिलाड़ियों और राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए चीजें आसान करने की अपनी योजना का ऐलान पिछले साल 29 अगस्त को किया था। उस समय एनएसएफ पोर्टल भी शुरू किया गया था।

ठाकुर ने कहा कि खिलाड़ी सर्वोपरि नीति के अनुरूप राष्ट्रीय खेल महासंघों को डिजिलॉकर के जरिये खिलाड़ियों को सर्टिफिकेट देने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा, यह फैसला एनएसएफ के खेल प्रशासन में पारदर्शिता और कुशलता को बढावा देने और खिलाड़ियों के दस्तावेजों की सुरक्षा, पहुंच और सत्यता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। उन्होंने कहा, इस साल एक जून से खेल महासंघों द्वारा डिजिलॉकर के जरिये जारी किए गए सर्टिफिकेट ही वैध होंगे और किसी कागजी प्रमाण पत्र को सरकारी और अन्य फायदों के लिए मान्य नहीं किया जाएगा। हमने महासंघों को सुझाव दे दिया है कि उनकी मान्यता प्राप्त ईकाइयां भी अगले साल एक जनवरी से डिजिलॉकर के जरिये सर्टिफिकेट देना शुरू करे।

मथुरा के शाही ईदगाह मामले में अगली सुनवाई 13 मार्च को होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में शाही ईदगाह प्रबंध समिति की वकील ने बृहस्पतिवार को दलील दी कि मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर के बगल में बनी मस्जिद को 'हटाने' का आग्रह करने वाले वाद पर सुनवाई नहीं हो सकती है, क्योंकि परिसीमा कानून के तहत यह वाद निर्धारित समयसीमा में दायर नहीं किया गया है। परिसीमा अधिनियम कानूनी उपाय खोजने के लिए एक विशिष्ट समय अवधि निर्धारित करता है।

मुस्लिम पक्ष की ओर से पेश हुई तसलीमा अज़ीज़ अहमदी ने दलील दी कि दोनों पक्षों के बीच 12 अक्टूबर 1968 को एक समझौता हुआ था जिसकी पुष्टि 1974 में एक दीवानी वाद में कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि एक समझौते को चुनौती देने की समय सीमा तीन वर्ष है, लेकिन वाद 2020 में दायर किया गया, लिहाज़ा मौजूदा वाद पर परिसीमा कानून के तहत सुनवाई नहीं हो सकती है। उच्च न्यायालय को बताया गया कि यह वाद शाही ईदगाह मस्जिद के ढांचे को हटाने के बाद कब्जा लेने और मंदिर बहाल करने के लिए दायर किया गया है। अहमदी ने कहा कि वाद में की गई प्रार्थना दर्शाती है कि वहां मस्जिद का ढांचा मौजूद है और उसका कब्जा प्रबंधन समिति के पास है। उन्होंने कहा, इस प्रकार से वक्फ की संपत्ति पर एक सवाल/विवाद खड़ा किया गया है, लिहाज़ा इसपर वक्फ अधिनियम के प्रावधान लागू होंगे और ऐसे में वक्फ न्यायाधिकरण को मामले की सुनवाई का अधिकार है, न कि दीवानी अदालत को। दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने मामले की सुनवाई की अगली तिथि 13 मार्च निर्धारित की। पिछले वर्ष इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से जुड़े सभी 15 मामलों को सुनवाई के लिए अपने पास मंगा लिया था।

सीनियर पहलवानों का राष्ट्रीय शिविर ट्रायल के बाद : डब्ल्यूएफआई

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) करीब 15 महीने बाद सीनियर राष्ट्रीय शिविर की तैयारी कर रहा है और किसान आंदोलन के कारण शिविर पटियाला की बजाय दिल्ली में लग सकता है। डब्ल्यूएफआई के राष्ट्रीय शिविर जनवरी 2023 के बाद से बंद है जब देश की तीन शीर्ष पहलवानों ने तत्कालीन अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर प्रदर्शन किया था। इंदिरा गांधी स्टेडियम में 10 और 11 मार्च को होने वाले ट्रायल के तुरंत बाद राष्ट्रीय शिविर शुरू होगा। डब्ल्यूएफआई के निलंबन के बाद कुश्ती का रोजमर्रा का काम देख रही तदर्थ समिति ने जयपुर में अपनी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप कराने के बाद रोहतक (पुरुष) और पटियाला (महिला) में अभ्यास शिविर शुरू किए। युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग द्वारा निलंबन वापिस लिए जाने के बाद डब्ल्यूएफआई ने बिशकेक में 11 से 16 अप्रैल तक होने वाली एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप और 19 से 21 अप्रैल तक उपमहाद्वीपीय ओलंपिक क्वालीफायर के लिए राष्ट्रीय टीम चुनने के लिए ट्रायल का ऐलान किया। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष ने कहा, ट्रायल के बाद हर वर्ग के शीर्ष चार पहलवानों को राष्ट्रीय शिविर में बुलाया जाएगा। अभी हमने शिविर के वेन्यू तय नहीं किए हैं।

हिंसा प्रभावित छह जिलों में शांति बनाए रखने के लिए मणिपुर सरकार ने असम राइफल्स की मदद मांगी

इंफाल/भाषा। मणिपुर सरकार ने राज्य के हिंसा प्रभावित छह जिलों में शांति कायम रखने और जनता का विश्वास बहाल करने के लिए असम राइफल्स से मदद मांगी है। इंफाल पश्चिम के जिला मजिस्ट्रेट ने बृहस्पतिवार को कानून व्यवस्था के उल्लंघन की खबरों, खासतौर पर भीड़ हिंसा की घटनाओं का उल्लेख किया। आदेश में कहा गया, हालात जिला प्रशासन और पुलिस के नियंत्रण से बाहर हो गए हैं।

इसमें कहा गया है कि जिले के विभिन्न हिस्सों में 29 फरवरी से पांच मार्च तक असम राइफल्स की सेवाएं मांगी गई हैं।

इससे पहले बुधवार रात को इंफाल पश्चिम में हजारों महिलाओं ने मशाल जुलूस निकालकर केंद्र सरकार और कुकी उग्रवादी समूहों के बीच 'अभियानों का निलंबन' (एसओओ) समझौते को समाप्त करने की मांग की।

करीब 200 हथियारबंद लोगों ने 27 फरवरी को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एम अमित सिंह के वांगखेई स्थित आवास में गोली चलाई और तोड़फोड़ की थी। उन्होंने इसके बाद सिंह को अपहृत कर लिया और सुरक्षा बलों ने उनकी रिहाई कराई।

अधिकारियों ने कहा कि बिगड़ते हालात के मद्देनजर बिष्णुपुर, थौबल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी और तेंगनौपाल जैसे अन्य जिलों ने भी शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए असम राइफल्स की तैनाती की मांग की है।

विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए नवाचार की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक : बिल गेट्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के सह-संस्थापक एवं समाजसेवी बिल गेट्स ने कहा कि विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए नवाचार की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सबसे परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी है जिसे उन्होंने अपने जीवनकाल में देखा है। गेट्स ने यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज की भलाई के वास्ते प्रौद्योगिकी का फायदा उठाया जाना चाहिए।

गेट्स ने ''सार्वजनिक भलाई के लिए नवाचार'' विषय पर अपने मुख्य संबोधन के दौरान कहा, मैं भारत को बहुत व्यापक दृष्टिकोण से देख रहा हूं। मैं काफी भाग्यशाली हूं कि फाउंडेशन के काम के जरिये, ऐसे नवप्रवर्तकों को देख पाया जो सभी प्रकार के क्षेत्रों- स्वास्थ्य से लेकर कृषि और जलवायु तक, में मदद कर सकते हैं। हमें बेहतर भारतीय नवाचार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, कई अलग-अलग चुनौतियों से निपटने के लिए नवाचार की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है।

आप सभी भाग्यशाली हैं कि आप यहां आए और आपने बेहतरीन शिक्षा प्राप्त की। प्रौद्योगिकी को हम कैसे लेते हैं, कैसे आकार देते हैं, इसकी जो जटिलता है, उसमें आपको बड़ी भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा।

गेट्स ने उन्हें वित्तीय प्रभाव के संदर्भ में अपने करियर पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, आपको न केवल वित्तीय प्रभाव के नजरिये से अपने करियर पर विचार करना चाहिए बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि आप जो भी भूमिका निभाते हैं, उस पर भी विचार करें कि यह सामाजिक समानता हासिल करने से कैसे संबंधित है। समाज की भलाई के लिए प्रौद्योगिकी का फायदा उठाया जाना चाहिए।

'किसानों को लेकर अब 'जुमलों' का नहीं, जवाब देने का समय'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर किसानों से किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि अब 'जुमलों' का नहीं, बल्कि जनता को जवाब देने का समय है।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'गारंटी' फर्जी निकली और इस सरकार में किसानों की हालत बदतर हो गई। खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 16 साल पहले, कांग्रेस-संप्रग सरकार ने 3.73 करोड़ किसानों का 72,000 करोड़ रुपए का कृषि ऋण व ब्याज़ माफ़ किया था। ये कांग्रेस की गारंटी थी जो पूरी हुई। उन्होंने दावा किया, मोदी जी ने किसानों से दो बड़े वादे किए। पहला, लागत पर 50 प्रतिशत एमएसपी और दूसरा वादा 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का था। ये 'मोदी की गारंटी' फ़र्ज़ी निकली और किसानों की हालत बदतर हुई। कांग्रेस

अध्यक्ष ने कहा, अब कांग्रेस ने फ़िर से किसानों से वादा किया है कि हम 15 करोड़ किसान परिवारों को एमएसपी की कानूनी गारंटी देंगे। केवल कांग्रेस ही अपनी गारंटी पूरी करती है। जय किसान, जय हिंदुस्तान। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मध्य प्रदेश में भाजपा के वादे का उल्लेख करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, 2014 में भाजपा ने अपने घोषणापत्र में किसानों के लिए उत्पादन लागत पर न्यूनतम 50 प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने का वादा किया था। 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने मध्य प्रदेश के किसानों से 2700 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं और 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदने का वादा किया था। लेकिन आज केंद्र सरकार द्वारा गेहूं की एमएसपी मात्र 2275 रुपए ही तय की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश सरकार अपने वादे के अनुसार गेहूं खरीद के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने सवाल किया, आपकी डबल इंजन सरकार हमारे किसानों को न्याय दिलाने में क्यों विफल रही है?'' रमेश ने कहा, चुनाव में महिलाओं का वोट लेने के लिए लाडली बहना योजना के तहत 3000 रुपए प्रति महीने देने का वादा किया गया था। चुनाव जीतने के बाद सरकार ने यह वादा पूरा करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है। हाल ही में विधानसभा में उसने कहा कि इस वादे के लिए कोई समय सीमा निर्धारित करना संभव नहीं है।

सुविचार

जिससे प्यार करो और उसे पा लिया जाए तो इसे किस्मत कहते है, और जो किस्मत में नहीं है फिर भी उसी से प्यार करो तो इसे मोहब्बत कहते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हिंसा का चक्र कब तक?

आम आदमी की मामूली-सी ग़लती पर उसे पकड़ने में भरपूर तेजी दिखाने वाली पुलिस को 'प्रभावशाली' और 'रसूखदार' लोगों तक पहुंचने में वक्त लग ही जाता है। पश्चिम बंगाल में इसकी अवधि कुछ ज्यादा ही लंबी हो जाती है। संदेशखालि मामले से चौतरफा निंदा का पात्र बना तृणमूल कांग्रेस का नेता शाहजहां शेख 55 दिनों से 'फरार' रहने के बाद पुलिस की गिरफ्त में आया है! उसे बशीरहाट अदालत ने 10 दिन की पुलिस हिरासत में भी भेज दिया। शाहजहां पर लगे आरोपों की गंभीरता इसी बात से समझी जा सकती है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भी कहा कि उसके लिए कोई सहानुभूति नहीं है। आश्चर्य होता है कि इस शख्स तक पहुंचने में पुलिस को लगभग दो महीने लग गए! वह भी इतने गंभीर आरोपों के बावजूद! इस दौरान यह अपनी जगह बदलता रहा और पूरे सिस्टम का मजाक उड़ाता रहा। जब स्थानीय लोगों को पता चला कि शाहजहां शेख को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है तो उन्होंने सड़कों पर उतरकर खुशियां मनाईं, मिठाइयां बांटीं और नृत्य किया। ऐसा लग रहा था कि उन्हें किसी भारी विपत्ति से मुक्ति मिली है। पश्चिम बंगाल में यह क्या हो रहा है? स्वयं राज्यपाल कह रहे हैं कि 'हमें बंगाल में हिंसा के चक्र को समाप्त करना होगा। बंगाल के कुछ हिस्सों में गुंडे राज कर रहे हैं। यह खत्म होना चाहिए और गैंगस्टर को सलाखों के पीछे डाला जाना चाहिए।' सवाल है- अपराधियों को सलाखों के पीछे कौन डालेगा? ऐसा नहीं है कि राज्य सरकार के पास शक्ति नहीं है। अगर वह दृढ़ इच्छाशक्ति दिखा दे तो अपराधियों के छुपने के लिए धरती छोटी पड़ जाएगी, लेकिन वोटबैंक और तुष्टीकरण की राजनीति जो करवा दे, कम है!

शाहजहां तो खुद तृणमूल कांग्रेस का नेता था। उसकी गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों बाद उसे तृणमूल से छह साल के लिए निलंबित किया गया। क्या इस पार्टी को शाहजहां के कारनामे पहले दिखाई नहीं देते थे? जिस शख्स पर कई महिलाओं के शोषण, जमीन हड़पने जैसे गंभीर आरोप लगे हों, जिसके खिलाफ स्थानीय लोग, खासकर महिलाएं कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रही हों, उसे तो बहुत पहले ही पार्टी से निकाल बाहर करना चाहिए था। पुलिस को उसे चौबीस घंटे के अंदर गिरफ्तार करने का आदेश दे देना चाहिए था। इससे साफ संदेश जाता कि पश्चिम बंगाल में कानून का राज है, वहां तृणमूल सरकार किसी को भी जुल्म-ज्यादती करने की छूट नहीं देगी। लेकिन हुआ इसका उल्टा! शाहजहां शेख को उत्तर 24 परगना जिले के सुंदरवन के बाहरी इलाके में जिस घर से गिरफ्तार किया गया, उसकी दूरी संदेशखालि से सिर्फ 30 किमी है। उसका पता मोबाइल फोन की 'अवस्थिति' से लगाया गया। कहा गया कि वह समय-समय पर अपनी जगह बदल रहा था। दूसरी ओर, संदेशखालि के कुछ हिस्सों में अतिरिक्त बल भी तैनात था। वहां के 49 क्षेत्रों में दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लगाई गई थी। अगर थोड़ा-सा अतिरिक्त बल शाहजहां शेख के 'पीछे' लगा दिया जाता तो उसे बहुत पहले गिरफ्तार किया जा सकता था। भले ही वह बार-बार अपनी जगह बदल रहा था और मोबाइल फोन बंद कर कुछ समय के लिए चकमा देने की कोशिश करता, लेकिन प. बंगाल समेत भारत के हर राज्य की पुलिस इतनी सक्षम है कि अगर वह ठान ले तो आरोपी को पाताल से भी ढूंढ़कर ला सकती है। प. बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस इसे 'एक अंत की शुरुआत' करार देते हुए कह रहे हैं कि 'अंधकार के बाद उजाला जरूर होता है।' अब राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह संदेशखालि के पीड़ितों को इन्साफ दिलाकर अंधकार को दूर करे।

ट्वीटर टॉक

मोदी की गारंटी थी कि माताओं-बहनों के जीवन से हर असुविधा, हर कष्ट को दूर करने का ईमानदार प्रयास करूंगा। ये गारंटी मैंने पूरी ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास किया है। लेकिन आने वाले 5 वर्ष हमारी बहनों-बेटियों के अभूतपूर्व सशक्तिकरण के होंगे।

-सीपी जोशी

जामताड़ा (झारखंड) में हुए भीषण ट्रेन हादसे में कई लोगों के प्राण गंवाने का दु:खद समाचार हृदय विदारक है। ईश्वर इस दर्दनाक हादसे में प्राण गंवाने वाले लोगों की आत्मा को शांति प्रदान करें। शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

-सचिन पायलट

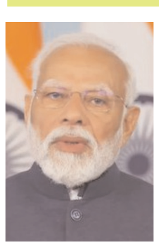

मोदी की गारंटी थी कि माताओं-बहनों के जीवन से हर असुविधा, हर कष्ट को दूर करने का ईमानदार प्रयास करूंगा।ये गारंटी मैंने पूरी ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास किया है। लेकिन आने वाले 5 वर्ष हमारी बहनों-बेटियों के अभूतपूर्व सशक्तिकरण के होंगे।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

न्यायाधीश का न्याय

पश्चिम बंगाल के लोकप्रिय न्यायाधीश नीलमाधव बंद्योपाध्याय अपनी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के लिये ख्यात थे। एक बार उन्होंने खुद को स्वस्थ बताकर पांच हजार रुपये का बीमा करवाया था। हालांकि वे उस समय डायबिटीज से ग्रसित थे। जीवन के अंतिम समय पर नीलमाधव जी खासे अशांत थे। उनके प्राण नहीं निकल पा रहे थे। जब उनके परिजनों ने इसका कारण जानना चाहा तो उन्होंने कहा कि जब अपना बीमा किया तो सच को छिपाकर अपने डायबिटीज के रोग को छिपाया था। यह असत्य व्यवहार अब मन को अशांत कर रहा है। उन्होंने तभी तत्काल बीमा अधिकारियों को बताकर इस बीमा को रद्द करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहता कि मेरे वारिसों को यह अपवित्र पैसा मिले। उनकी इच्छा के हिसाब से बीमा अधिकारी को आने को कहा गया। बीमा अधिकारी ने कहा, ऐसा तो सभी करते हैं। लेकिन माधव जी ने इसके बाद भी अपना बीमा रद्द करवाया। उन्होंने कहा, अब मैं वास्तव में न्याय कर सका। उसके बाद उन्होंने शांति से अपने प्राण त्याग दिये।

सामयिक

वायनाड से राहुल गांधी भागेंगे या इतिहास रचेंगे?

आचार्य विष्णु हरि
मोबाइल : 9315206123

राहुल गांधी की राह में लेफ्ट बन गया रोड़ा। वह कैसे? लेफ्ट ने राहुल गांधी की सीट पर लगा दिया पेंच और ठोक दिया प्रत्याशी का बुलडोजर। यानी की लेफ्ट ने केरल के वायनाड सीट पर अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। लेफ्ट के गठबंधन में यह सीट सीपीआई को मिली है। सीपीआई की ओर से एनी राजा वायनाड उम्मीदवार होगी। नशें जब कमजोर होती है तो मनुष्य का शरीर कमजोर हो जाता है, प्रहार बलवान पर नहीं बल्कि कमजोर पर होता है। इसीलिए कांग्रेस पर सौदेबाजी का प्रहार हो रहा है। अखिलेश यादव, लालू प्रसाद यादव, अरविंद केजरीवाल अपनी मनमाफिक सौदेबाजी कांग्रेस पर लाद रहे हैं। अब कम्युनिस्ट पाटियां भी अपने शर्तो पर कांग्रेस को झुकाने की सौदेबाजी पर उतर आयी हैं।

एनी राजा कौन हैं जिन्हें सीपीआई ने राहुल गांधी को हराने के लिए वायनाड से प्रत्याशी घोषित किया है? एनी राजा की पहली पहचान सीपीआई के महासचिव डीराजा की पत्नी के रूप में है। लेकिन वे अपने प्रारंभिक काल से ही लेफ्ट की राजनीति के लिए जानी जाती है, एक लंबा राजनीतिक अनुभव उनके पास है। कहने का अर्थ यह है कि एनी राजा खुद लेफ्ट की राजनीति में एक हस्ती है। वे केरल की ही रहने वाली है पर वे लंबे समय तक दिल्ली में रही हैं, इसलिए केरल और केन्द्रीय राजनीति में उनका अनुभव गंभीर माना जाता है। सबसे बडी बात यह है कि एनी राजा खुद ईसाई है। इसलिए राजनीतिक हलकों में एक बात घूम फिर रही है कि एनी राजा को ईसाई होने का लाभ मिलेगा, एनी राजा के चुनाव लडने से लेफ्ट को ईसाई वोटरों का समर्थन प्राप्त होगा?

लेफ्ट पार्टियो की ऐसी सोच उनकी सर्वहारा और अफीम के दर्शन पर प्रश्न चिन्ह खडी करती है। फिर उनके सर्वहारा और अफीम की सोच और दर्शन का क्या होगा?लेफ्ट पार्टियां कहती हैं कि हम जाति और धर्म की राजनीति नही करती हैं, वे तो सर्वहारा की राजनीति करती हैं, धर्म एक अफीम है। पर लेफ्ट पार्टियां ऐसी झूठ आसानी से बोल जाती हैं। लेफ्ट पार्टियों का इतिहास आप देखेंगे तो साफ हो जायेगा कि लेफ्ट पार्टियां जाति और धर्म की भी राजनीति करती हैं और धर्म को अफीम भी नहीं मानती है। सुभाषचन्द्र बोस और भारत छोडो आंदोलन का विरोध कर कम्युनिस्ट पार्टियां अंग्रेजों के भी प्रिय हो जाती हैं। इनका जातिवाद और धर्म प्रेम भी देख लीजिये।सत्ता के लिए लेफ्ट पार्टियां बिहार में भूमिहार और झा मैथिल जाति की राजनीतिक समृद्धि बनायी थी। मधुबनी लोकसभा सीट पर एक बार मैंथिल जाति से आने वाले भोगेन्द्र झा तो दूसरी बार मैथिल जाति से ही आने वाले चतुरानन्द मिश्र को उम्मीदवार बनाती थी, तीसरे की कोई उम्मीद ही नहीं होती थी। सोवियत संघ से डॉक्टर और इंजीनियर की पढाई कराने कम्युनिस्ट पार्टियो ने कोई सर्वहारा नीति नही अपनायी थी, भूमिहार, मैथिल यानी उच्च जातियों को भलाई करो की नीति अपनायी थी। तमिलनाडु और केरल और पश्चिम बगाल में मुस्लिम पार्टियों के साथ लेफ्ट का गठबंधन रहा है। पश्चिम बंगाल का पिछला विधान सभा चुनाव लेफ्ट पार्टियां एक मुस्लिम पार्टी के साथ गठबंधन कर लडी थी। बिहार में जातिवादी लालू और उत्तर प्रदेश में जातिवादी मुलायम सिंह यादव के जातिवादी कुनबे साथ गठबंधन, क्या लेफ्ट पार्टियां नहीं करती थी?

लेफ्ट की जातिवादी और मजहबी खोल से अलग होकर राहुल गांधी के भविष्य पर चर्चा आवश्यक है? वायनाड सीट पर राहुल गांधी की हार होगी या जीत होगी? इस पर गंभीरता के साथ चर्चा करना जरूर है। स्मृति इरानी की शक्ति के डर से राहुल गांधी वायनाड भागे थे। स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को धूल भी चटाई थी। पर वायनाड से राहुल गांधी ने चार लाख से अधिक वोटो से जीत हासिल की थी। वायनाड लोकसभा सीट राहुल गांधी को क्यों भायी थी, इस पर कांग्रेस नीतिकारों की क्या नीतियां थी, लक्ष्य क्या थे। दो नीतियां थी और दो लक्ष्य थे। एक तो राहुल गांधी को लोकसभा में पहुंचने के लिए सुरक्षित और आसान सीट बनाना और दूसरा मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करना, वायनाड के संदेश पूरे भारत के मुस्लिम समुदाय तक पहुचाना, यह दर्शाना कि राहुल गांधी का मुस्लिम प्रेम ही सच्चा है और मुस्लिम तुष्टिकरण सिर्फ कांग्रेस ही कर सकती है। वायनाड की मुस्लिम आबादी ने राहुल गांधी पर प्रेम भी दशायी थी। भाजपा ने इसे राहुल गाधी का मुस्लिम प्रेम करार दिया था और कहा था कि राहुल गांधी की वायनाड में हुई जीत के पीछे मुस्लिम कट्टरपंथियों के समर्थन का कमाल है।

सिर्फ वायनाड सीट की ही बात नहीं है। बात इससे भी गंभीर है। केरल में लोकसभा की 20 सीटें हैं। पिछली बार कांग्रेस 15 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस बार लेफ्ट की तैयारी और आक्रमकता कुछ ज्यादा ही है, राहुल गांधी के लिए लेफ्ट के नेता कोई अवसर देना नहीं चाहते हैं और राहुल गांधी के रास्ते में सीधे रोड़ा डाल दिये हैं। ऐसे वायनाड मुस्लिम बहुलता वाली लोकसभा सीट है। यहां पर करीब 70 प्रतिशत मुस्लिम हैं, 25 प्रतिशत हिन्दू हैं जबकि ईसाई और अन्य पांच प्रतिशत हैं। लेफ्ट और कांग्रेस यानी की दोनों का चरित्र हिन्दू विरोधी है, ये दोनों पार्टियां हिन्दुत्व विरोध की प्रतिस्पर्द्धा करती रही हैं। अभी हाल ही में केरल की लेफ्ट सरकार ने भगवा वस्त्र पर प्रतिबंध लगाने की बात कही है और मंदिरों पर नये-नये हथकंडे अपनाये हैं। ऐसा इसलिए कि मुस्लिम वोट बैंक लेफ्ट का साथ दे सके। मुस्लिम वोटरों को अपनी ओर करने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाने की नीति अपनायी जाती है। केरल में लेफ्ट सरकार के मुख्यमंत्री विजयन की बेटी ने मुस्लिम से शादी की है। लेफ्ट के लोग मुख्यमंत्री विजयन की बेटी की शादी मुस्लिम से होने को लेकर धर्मनिरपेक्षता का ढिढोरा पिटते हैं। लेकिन मुस्लिम आबादी अपने चरित्र से बाहर नहीं निकलती है। मुस्लिम आबादी कम्युनिस्टों की अपेक्षा कांग्रेस पर ज्यादा विश्वास करती हैं।

लेफ्ट के इस कदम से शशि थरूर जैसे नेताओं की बयानबाजी भी सुनी जानी चाहिए। शशि थरूर बहुत ही गुस्से मे हैं। शशि थरूर कहते हैं कि वायनाड में प्रत्याशी देकर लेफ्ट ने विपक्षी एकता की नींव खोदी है, मोदी को हराने की मोर्चेबंदी को कमजोर किया है, ऐसा लगता है कि लेफ्ट पार्टियां नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नहीं बल्कि कांग्रेस से लड रही हैं। राहुल गांधी ने नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जिस तरह से संघर्ष कर रहे हैं और मोर्चेबंदी कर रहे हैं वह एक राजनीतिक वीरता से कभ नहीं है।

फिर भी लेफ्ट पार्टियां राहुल गांधी के नरेन्द्र मोदी हटाओ अभियान में रोड़ा डाल रही हैं और कमजोर कर रही हैं। वास्तव में शशि थरूर का गुस्सा या फिर बयानबाजी का हिस्सा सिर्फ वायनाड सीट नहीं है बल्कि उनकी लोकसभा सीट भी है। तिरूअनंतपुरम से शशि थरूर सांसद है। वहां पर शशि थरूर को चुनौती वामपंथी पार्टियां नहीं देती हैं बल्कि भाजपा देती है। केरल में शथि थरूर का ही एक मात्र सीट है जहां पर भाजपा की उपस्थिति बहुत ही दमदार है, 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा इस सीट पर दूसरे नंबर थी जबकि लेफ्ट पार्टी तीसरे नंबर पर थी। शशि थरूर को डर यह सता रहा है कि अगर लेफ्ट उम्मीदवार उनकी सीट पर मजबूत हुए और वोटों का बडे पैमाने पर विभाजन हुआ तो फिर भाजपा बाजी मार सकती है।

लेफ्ट का एक चिंतन यह भी है कि कांग्रेस के साथ रहने से उन्हें बहुत ज्यादा लाभ नहीं होता है, कांग्रेस सर्वाधिक लाभ होता है, हमारा कैडर वोट तो कांग्रेस को मिल जाता है पर कांग्रेस का जनाधार विहीन होना उनके लिए मुसीबत बन जाती है। सबसे बडी बात यह है कि केरल में भाजपा की कोई खास उपस्थिति नहीं है। केरल में सत्ता का दावेदार भी कम्युनिस्ट और कांग्रेस रहे हैं। अभी केरल मे कम्युनिस्टो की सरकार है और कांग्रेस विपक्ष में है। सत्ता पक्ष और विपक्ष में समझौता कैसे हो सकता है? घोडा घास से दोस्ती कैसे कर सकती है, ऐसी ही स्थिति केरल में हैं। इसलिए कांग्रेस और कम्युनिस्ट दोनों एक दूसरे के प्रतिस्पर्द्धी हैं। जबकि केरल से हटकर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में कांग्रेस और कम्युनिस्ट एक ही गठबंधन में शामिल रहे हैं और मिल कर चुनाव लडे हैं। यूपीए वन की खटास भी है। परमाणु समझौते पर कांग्रेस ने कम्युनिस्टों के साथ बईमानी की थी, कम्युनिस्टों को तोडने और कमजोर करने की कोशिश की थी।

केरल के कम्युनिस्ट रोड़ा के सामने राहुल गांधी और उनके राजनीतिक नीतिकारों की कोन सी नीति होगी? केरल में कम्युनिस्ट कांग्रेस के सामने झुकने वाले नहीं है। अगर केरल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट साथ होते तो फिर नरेन्द्र मोदी के खिलाफ हवा बन सकती थी और राहुल गांधी अपने नरेन्द्र मोदी हटाओ अभियान का और भी बल दे सकते थे। लेकिन प्रतिस्पर्धी को कौन मजबूत करना चाहेगा। देखना यह होगा कि राहुल गांधी वायनाड कम्युनिस्ट रोड़ा पर कौन सा कदम उठायेंगे। यहां से भागेंगे या फिर वायनाड में ही इतिहास रचेंगे।

केरल के कम्युनिस्ट रोड़ा के सामने राहुल गांधी और उनके राजनीतिक नीतिकारों की कोन सी नीति होगी? केरल में कम्युनिस्ट कांग्रेस के सामने झुकने वाले नहीं है। अगर केरल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट साथ होते तो फिर नरेन्द्र मोदी के खिलाफ हवा बन सकती थी और राहुल गांधी अपने नरेन्द्र मोदी हटाओ अभियान का और भी बल दे सकते थे। लेकिन प्रतिस्पर्धी को कौन मजबूत करना चाहेगा। देखना यह होगा कि राहुल गांधी वायनाड कम्युनिस्ट रोड़ा पर कौन सा कदम उठायेंगे। यहां से भागेंगे या फिर वायनाड में ही इतिहास रचेंगे।

नजरिया

आखिर इस गुलाम मानसिकता से मुक्ति कब मिलेगी?

मनोज कुमार अग्रवाल

आजादी से पहले महात्मा गांधी को एक ट्रेन के फर्स्ट क्लास कोच में सफर करने से रोकने की घटना आप ने जरूर कहीं पढ़ी सुनी होगी लेकिन आजादी की हीरक जयंती मनाई लेने के बाद भी उसी अंग्रेजियत की लकवाग्रस्त मानसिकता के कीटाणु देश में कहीं न कहीं मौजूद हैं। देश के मेट्रो शहरों में शुमार आइटी सिटी बेंगलूरु में एक बेहद शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां पर एक भारतीय परिधान धारी किसान को इसलिए मेट्रो ट्रेन में यात्रा करने से रोक दिया गया क्योंकि उसने मेट्रो स्टेशन पर तैनात सुरक्षा पर्यवेक्षक गार्ड की दृष्टि से अनुचति कपड़े पहने हुए थे। ये अनुचित कपड़े क्या थे? धोती-कुर्ता और प्लास्टिक की बोरी में थोड़ा-सा सामान। इस सामंती सोच की करतूत सबके सामने ही नहीं आ पाती, यदि एक यात्री पूरे घट्नाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट न करता। हालांकि, किसान के पक्ष में एक अन्य यात्री कार्तिक सी हैरानी ने आवाज उठाई, कर्मचारियों से काफी बहस की, वह नियम दिखाने को कहा जिसके आधार पर किसान को रोका जा रहा था। काफी कहासुनी के बाद सुरक्षाकर्मियों को किसान को यात्रा की अनुमति देनी पड़ी।

यह मामला हाल ही में बेंगलूरु मेट्रो स्टेशन पर सामने आया है। यात्री ने 18 फरवरी का वीडियो पोस्ट किया जिसमें दिख रहा है कि सुरक्षा पर्यवेक्षक ने एक किसान को 'उचित कपड़े' न पहनने के कारण उसे मेट्रो की सेवा का इस्तेमाल करने से रोक दिया। यात्री ने लिखा - अविश्वसनीय... क्या मेट्रो सिर्फ वीआईपी लोगों के लिए है? क्या मेट्रो की सेवा का इस्तेमाल करने के लिए कोई ड्रेस कोड है? मैं कार्तिक सी.ऐरानी की कार्रवाई की सराहना करता हूं, जिन्होंने राजाजीनगर मेट्रो स्टेशन पर एक किसान के अधिकार के लिए आवाज उठाई। हमें ऐसे और नायकों की हर जगह जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार सोशल मीडिया पर लोगों की तीखी प्रतिक्रिया के बाद बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने कहा : नम्मा बेंगलूरु मेट्रो एक आम जनता के लिए सार्वजनिक परिवहन है। राजाजीनगर की इस घटना की जांच की गई और सुरक्षा पर्यवेक्षक की सेवाएं समाप्त कर दी गईं। बीएमआरसीएल को यात्री को हुई असुविधा के लिए खेद है।

जाहिर है कि आजादी के 75 साल बाद भी देश के कुछ लोगों की मानसिकता लकवाग्रस्त है। क्या धोती कुर्ता या अन्य कोई देसी परिधान पहनना अपराध है। दरअसल कुछ लोगों के दिल दिमाग में आज भी पश्चिमी कल्चर का भूत इस तरह सिर चढ़कर बोल रहा है कि वह आए दिन अपने दुर्व्यवहार के चलते देश की सभ्यता संस्कृति की जड़ें खोदने का काम कर देते हैं। एक मेट्रो में यात्रा के इच्छुक आम आदमी के साथ इस तरह का अशोभनीय व्यवहार किया जाना बताता है कि अभी भी अंग्रेजी हुकूमत के समय बोया गया कुसंस्कार कहीं न कहीं फूट रहा है , बहरहाल यह मामला सामने आने पर दुर्व्यवहार करने वाले गार्ड को उसका दंड मिल गया। किन्तु यह घटनाक्रम कई प्रश्न छोड़ गया। सबसे पहला तो यही कि क्या अपने ही देश में अपनी सभ्यता-संस्कृति के अनुरूप धोती-कुर्ता आदि को अनुचित कपड़े करार दिया जा सकता है? जब मेट्रो या अन्य परिवहन सेवाओं में किसी तरह के ड्रेस कोड लागू नहीं है तो ऐसा बर्ताव क्यों? आए दिन मेट्रो में छोटे टॉप व भड़कीले शरीर प्रदर्शन करने वाले कपडों में नव यौवनाओं के सैकड़ों टिकटाक विडियो वायरल होते हैं उन्हें कोई नहीं रोकता। क्या किसान पर यह तानाशाही केवल इसलिए लादने का प्रयास किया गया कि वह गरीब है ब्रीफकेस के बिना झोली में सामान रखने के कारण देहाती गंवार लग रहा है? अनुचित कपड़े कटे फटे शरीर प्रदर्शन वाले हैं या किसान का धोती-कुर्ता? यह बात केवल वस्त्रों तक सीमित नहीं है, यही सोच भाषा को लेकर भी हावी है। अंग्रेजी बोलने वालों की तुलना में उन लोगों को दोयम दर्ज का माना जाता है जो अपनी मातृभाषा में बातचीत करना पसंद करते हैं, चाहे वह हिन्दी हो, बांग्ला हो, ओडिया हो, तमिल, तेलुगु या मराठी ही क्यों न हो।दरअसल, अंग्रेजों ने लगभग दो सदी तक प्रयास करके हमारे दिमाग में जो धारणा भर दी थी कि अंग्रेजी बोलने वाले, पतलून-कमीज पहनने वाले, टाई लगाने वाले ही सभ्य होते हैं, बाकी सब तो असभ्य हैं, वह धारणा जब तब अब भी अपनी झलक दिखला ही जाती है। पिछले दिनों बिहार की एक अदालत का वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें एक जज वकील को केवल इसलिए बुरी तरह डांट रहा था क्योंकि वकील अपनी दलील अंग्रेजी की बजाय हिन्दी में रख रहा था।आज भी देश की सबसे बड़ी अदालत में कामकाज की भाषा सिर्फ अंग्रेज़ी है। बेशक राजभाषा के पद पर हिन्दी विराजमान हो यह सब क्या है? फिर सिर्फ मेट्रो के पर्यवेक्षक को कसूरवार ठहराने मात्र से एक विकलांग मानसिकता का इलाज कैसे हो सकता है?

हम को विचार करना चाहिए कि हम किस दिशा में आगे जा रहे हैं? आखिर अपने ही देश में अपनी संस्कृति, अपनी भाषा, अपना पहनावा, अपनी बोली, अपना खान-पान कैसे 'अनुचित' हो सकता है? इसका सबसे बड़ा कारण है अंग्रेजी शिक्षा पद्धति का अंधानुकरण। विदेशी भाषा सीखना बुरा नहीं है, उसमें पढ़ने में भी कुछ गलत नहीं है, सरकार शिक्षा नीति में इस 'अंग्रेजी-सामंती' सोच से बचाव का उपाय तलाशना चाहिए। इसके लिए अंग्रेजी स्कूलों में कम से एक भारतीय भाषा को पढ़ाना और संवाद करना अनिवार्य होना चाहिए।

देश के भीतर आज भी समानांतर दो मानसिकता पल्लवित हो रहीं हैं एक अल्प आमदनी और अभावों के साथ समझौते कर भारतीय संस्कृति पहनावा मातृभाषा साहित्य संस्कार सभ्यता के साथ जीवन यापन कर रहे हैं दूसरे वह जो कान्वेंट कल्चर पर भरोसा रखते हैं अपने अलावा सभी को बेकवर्ड पिछड़ा या जाहिल गंवार समझ कर व्यवहार करते हैं वास्तव में यह प्रवृत्ति बेहद खतरनाक है। यही वजह है कि समाज में परस्पर सहयोग सौहार्द कायम होने के स्थान पर असमानता दुर्व्यवहार की खाई पैदा हो रही है। शायद इसी सब के मद्देनज़र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में आत्मगौरव बढ़ाने और स्वाभिमान का बोध करने के लिए जोर दिया था ताकि आम व स्वयं को खास समझ बैठे लोगों को देश की परम्परा संस्कृति संस्कार भाषा और पहनावे के आधार पर किसी तरह की अज्ञानता के चलते अभिजात्यता का कोई गुमान पैदा न हो जाए इसके स्थान पर सभी लोग अपने देश की परम्पराओं अनेकता में एकता पर आत्मगौरव व गर्व महसूस करें।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इमरान ने आईएमएफ से सरकार की बातचीत से पहले चुनाव का 'ऑडिट' कराने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को एक पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वह उनके देश के साथ राहत पैकेज को लेकर वार्ता से पहले, आठ फरवरी को हुए संसदीय और प्रांतीय चुनावों में धांधली का पता लगाने के वास्ते कम से कम 30 प्रतिशत सीट का 'ऑडिट' कराए। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के 71 वर्षीय संस्थापक ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह पाकिस्तान स्थित आईएमएफ से आग्रह करेंगे कि वह किसी भी तरह की राहत देने से बचे, क्योंकि अधिकारियों ने उनकी पार्टी को सत्ता में आने से रोकने के लिए चुनावी नतीजों में धांधली की है। जेल में बंद इमरान द्वारा नामित पार्टी अध्यक्ष गौहर अली खान ने पार्टी महासचिव उमर अयूब खान के साथ बुधवार को एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पत्र लिखे जाने की पुष्टि की, लेकिन इसकी सामग्री बताने से इनकार किया। 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया' ने इमरान खान के मार्गदर्शन में पार्टी प्रवक्ता रऊफ हसन द्वारा आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलीना जॉर्जिवा को लिखे पत्र की प्रति देखी है। इसकी शुरुआत इस स्पष्टीकरण से होती है कि पार्टी पाकिस्तान को आईएमएफ के कर्ज के खिलाफ नहीं है, लेकिन इसमें यह भी कहा गया कि आईएमएफ के कर्ज में शर्तों होनी चाहिए। पत्र में आरोप लगाया गया है कि आठ फरवरी के आम चुनाव में मतों की गिनती और नतीजों में व्यापक हस्तक्षेप और धोखाधड़ी की गई है। पार्टी ने कहा, यह हस्तक्षेप और धोखाधड़ी इतनी खुल्लम खुल्ला की गई कि आईएमएफ के सबसे महत्वपूर्ण सदस्य देशों अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ में शामिल देशों ने मामले की पूर्ण और पारदर्शी जांच का आह्वान किया है। वहीं, अमेरिका ने पाकिस्तान से देश में आर्थिक स्थिरता के लिए व्यापक आर्थिक सुधारों की दिशा में आईएमएफ और अन्य अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के साथ काम करना जारी रखने का आग्रह किया है।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने प्रेस वार्ता के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा कि पाकिस्तान की सरकार और अर्थव्यवस्था का दीर्घकालिक स्वास्थ्य देश की स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि नयी सरकार भुगतान संतुलन के मुद्दे से निपटने में मदद के लिए आईएमएफ से लगभग छह अरब अमेरिकी डॉलर का और ऋण मांगेगी।

बिल गेट्स को प्रतिष्ठित 'केआईएसएस मानवतावादी पुरस्कार' 2023 मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/दक्षिण भारत। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स को उनके उल्लेखनीय एवं परोपकारी कार्यों के लिए केआईएसएस मानवतावादी पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया। अग्रणी वैश्विक परोपकारी बिल गेट्स को उनके परोपकारी कार्यों के लिए यह एक महत्त्वपूर्ण मान्यता है। 28 फरवरी को वैश्विक स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ाने और असमानता को कम करने के उद्देश्य से नवीन प्रौद्योगिकी समाधानों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने में गेट्स के अद्वितीय योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। केआईआईटी-केआईएसएस और केआईएमएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने अपने संबोधन में कहा, 'बिल गेट्स को इस पुरस्कार से सम्मानित करना न केवल उनके असाधारण योगदान का सम्मान करता है, बल्कि इस मान्यता की प्रतिष्ठा को भी बढ़ाता है। उनकी स्वीकृति विश्व स्तर पर मानवीय कार्यों के लिए एक नया मानदंड स्थापित करती है। यह हमारे लिए अत्यंत सम्मान की बात है कि बिल गेट्स हमारे पुरस्कार विजेताओं की सम्मानित सूची में शामिल हो रहे हैं।' अपने आभार प्रदर्शन भाषण में बिल गेट्स ने मान्यता के लिए आभार व्यक्त किया और डॉ. सामंत और संस्थान के परिवर्तनकारी कार्यों पर विचार किया। उन्होंने कहा, 'इस अद्भुत पुरस्कार के लिए और यहां मेरा स्वागत करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। हालांकि आपने जो कुछ भी हासिल किया है, उसके लिए मुझे आपको बधाई देनी चाहिए।' उन्होंने जनजातीय समुदायों को गुणवत्तापूर्ण निशुल्क शिक्षा प्रदान करने के लिए डॉ. सामंत के दृष्टिकोण और समर्पण की सराहना की और नागरिक भागीदारी और शिक्षा के लिए समुदाय-प्रथम दृष्टिकोण के महत्त्व पर प्रकाश डाला। डॉ. अच्युत सामंत द्वारा साल 2008 में शुरू किया गया केआईएसएस मानवतावादी पुरस्कार केआईआईटी और केआईएसएस का सर्वोच्च सम्मान है, जो दुनियाभर में मानवीय कार्यों की भावना को मूर्त रूप देने वाले व्यक्तियों और संगठनों को मान्यता देने के लिए प्रदान किया जाता है। पुरस्कार में एक प्रशस्ति पत्र और एक सोने की परत वाली ट्रॉफी शामिल है, जो केआईएसएस में एक सार्वजनिक समारोह में दिए गए एक महान सामाजिक संदेश को दर्शाती है। प्रोफेसर अमरेश्वर गल्ला, प्रो-चांसलर, केआईएसएस डीम्ड यूनिवर्सिटी और यूनेस्को के अध्यक्ष समावेशी संग्रहालय और सतत विरासत विकास ने केआईएसएस की ओर से गेटस के प्रति आभार व्यक्त किया।

बिल गेटस को केआईएसएस मानवतावादी पुरस्कार प्रदान करना विश्व स्तर पर जीवन को बेहतर बनाने के उनके असाधारण प्रयासों का जश्न है, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए अधिक न्यायसंगत दुनिया के लिए लड़ाई जारी रखने के लिए एक प्रेरणा के रूप में कार्य करता है।

पुरस्कार समारोह में पूर्व छात्रों के साथ-साथ केआईआईटी और केआईएसएस के कर्मचारी और छात्रगण आदि मौजूद थे। इस आयोजन का एक उल्लेखनीय क्षण लैंगिक समानता पर सार्थक बातचीत में गेटस की भागीदारी थी, जो केआईएसएस की पूर्व छात्रा के एक प्रश्न से प्रेरित था।

ब्रिटेन: लेबर पार्टी के नेता ने भारत को बताया 'महाशक्ति', ब्रिटिश भारतीयों से जुड़ने पर दिया जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन। ब्रिटेन के विपक्षी दल लेबर पार्टी ने ब्रिटिश भारतीयों से जुड़ने और भारत से संपर्क बढ़ाने के लिए नए सामुदायिक संपर्क संगठन की शुरुआत की है। लेबर पार्टी ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है जब दोनों देशों में आम चुनाव की तैयारियां जारी हैं। पार्टी के शैडो विदेश सचिव डेविड लैमी ने मंगलवार शाम लंदन में संसदीय परिसर में लेबर इंडियंस की शुरुआत की।

इस दौरान उन्होंने अपनी हालिया यात्रा के बारे में बात की और अगले चुनाव में लेबर पार्टी के जीतने पर ब्रिटेन-भारत भागीदारी को लेकर अपनी आकांक्षाएं भी प्रकट कीं। लेबर पार्टी के नेता लैमी ने भारत को महाशक्ति बताते हुए कहा कि भारत के रणनीतिक महत्व को देखते हुए इस देश से रिश्ता दलगत राजनीति से परे है। लैमी ने कहा, भारत उद्यमशीलता, नवोन्वेष, वैज्ञानिक, औद्योगिक और जनसंख्या के आधार पर एक महाशक्ति है।

उन्होंने कहा, बेशक, भारत के सामने अभी भी चुनौतियां हैं। लेकिन मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस भू-राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण दौर में यह बेहद अहम है कि ब्रिटेन यह समझे कि भारत दुनिया की एक महाशक्ति है। इससे वास्तव में कोई फर्क नहीं पड़ता कि भारत का प्रधानमंत्री कौन है, ब्रिटेन का प्रधानमंत्री कौन है क्योंकि अलग-अलग राजनीतिक स्थिति के बावजूद, हमारे बीच बहुत मजबूत संबंध हैं।

पार्टी के पूर्व नेता जेरेमी कॉर्बिन के नेतृत्व में लेबर पार्टी से जुड़ी कुछ भारत विरोधी बयानबाजी के बारे में पूछे जाने पर लैमी ने कहा कि विपक्षी दल एक यात्रा पर है और कीर स्टार्मर के नेतृत्व में उसने खुद को बदल लिया है।

उन्होंने कहा, इस यात्रा में हम स्पष्ट रूप से, कॉर्बिन के दौर को राजनीतिक रूप से हमारे भाग्य के लिए बहुत असफल मानते हैं। मुझे लगता है कि भारतीय समुदाय में कुछ धारणा उस काल तक थी। मेरी भारत यात्रा आगे देखने को लेकर थी।

सीबीआई में गुपचुप तरीके से काम करना होता है : सूद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद ने बृहस्पतिवार को कहा कि सीबीआई एक ऐसी जगह है जहां दुनिया की नजरों से पहचान छुपाकर गुपचुप तरीके से काम करना होता है। गाजियाबाद में एजेंसी की अकादमी में उप-निरीक्षकों के अलंकरण समारोह को संबोधित करते हुए, सूद ने कहा कि युवा अधिकारियों को एक अलग सोच अपनाकर अपना काम करने का प्रयास करना चाहिए और अपने कार्यों को इस तरह से करना चाहिए जिससे उसके बेहतर परिणाम प्राप्त हो सके।

अधिकारियों को विभिन्न विषयों और विशेषज्ञताओं में 38 सप्ताह के प्रशिक्षण के बाद शामिल किया गया है। सूद ने 'पासआउट' हुए 30 विद्यार्थियों को पदक और ट्रॉफियां भी प्रदान कीं। सीबीआई प्रमुख ने नए रंगरूटों से कहा कि एजेंसी भ्रष्टाचार विरोधी, साइबर अपराध, आर्थिक अपराध जैसे विभिन्न अपराधों की जांच में कई विशेषज्ञता प्रदान करती है।

अधिकारियों से पूरी सेवा के दौरान अच्छा आचरण बनाए रखने का आह्वान करते हुए, निदेशक ने इस बात पर जोर दिया कि सीबीआई एक ऐसी जगह है जहां दुनिया की नजरों से पहचान छुपाकर गुपचुप तरीके से काम करना होता है। सूद ने कहा कि सीबीआई अधिकारियों के रूप में, शामिल नये लोग संगठन के 'ब्रांड एंबेसडर' बनने जा रहे हैं क्योंकि उनके आचरण और कार्यों पर हमेशा अदालत और जनता की नजर रहेगी और जिसका असर एजेंसी पर पड़ता है।

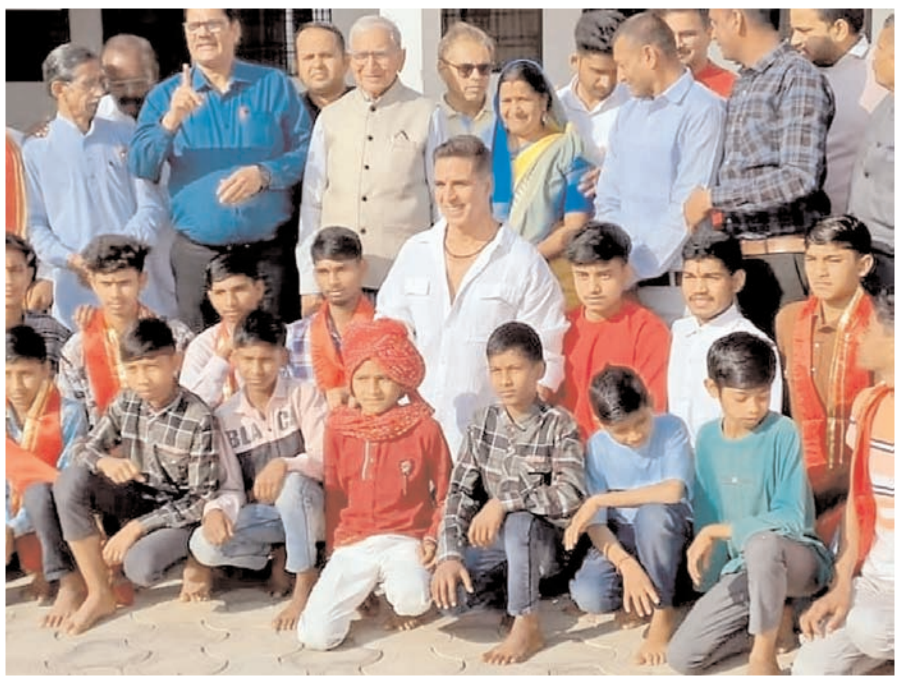

अभिनेता अक्षय कुमार उदयपुर के वनवासी कल्याण परिषद के छात्रावास पहुंचे

जयपुर/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार उदयपुर में खेरवाड़ा स्थित वनवासी कल्याण परिषद द्वारा जनजाति बच्चों के लिए बनाए गए छात्रावास पहुंचे। इस छात्रावास के निर्माण के लिए अक्षय कुमार ने सहयोग प्रदान किया था। छात्रावास पूर्ण होने तथा संचालन शुरू होने पर अपने वादे के अनुसार वह आए और बच्चों से मिले। वहां उन्होंने बच्चों के साथ आरती भी की और बच्चों की नोटबुक भी देखीं।

राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष जगदीश जोशी ने बताया कि खेरवाड़ा के खोखादरा में वनवासी कल्याण परिषद द्वारा बनाए गए हरिओम छात्रावास के निर्माण में अक्षय कुमार ने एक करोड़ रुपये का सहयोग प्रदान किया था। उन्होंने कहा वहां पहुंचकर बच्चों के साथ पूजा-अर्चना तथा आरती की। उनके मुताबिक, अक्षय कुमार को अपने बीच पाकर बच्चे गदगद हो उठे तथा बच्चों ने अभिनेता के साथ फोटो भी खिंचवाई।

जोशी ने बताया, इस दौरान अक्षय कुमार ने छात्रावास की गतिविधियों की जानकारी ली। जनजाति बच्चों से बातचीत करते हुए आगे की आवश्यकताएं भी जानी और विकास कार्यों में सहयोग का भरोसा दिलाया।

सैन्यकर्मियों की जगह लेने पहली असैन्य तकनीकी टीम मालदीव पहुंची

नयी दिल्ली। भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि तकनीकी विशेषज्ञों की उसकी पहली असैन्य टीम मालदीव में एक उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर का संचालन करने वाले सैन्यकर्मियों की जगह लेने वहां पहुंच गई है।

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने अपने देश से भारतीय सैन्यकर्मियों के पहले समूह की वापसी के लिए 10 मार्च की समयसीमा तय की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर को संचालित करने के लिए तकनीकी कर्मियों की पहली टीम मालदीव पहुंच गई है। यह हेलीकॉप्टर को संचालित करने वाले मौजूदा कर्मियों का स्थान लेगी।

कांग्रेस के फैसले एक परिवार के डायनिंग रूम में लिए जाते हैं : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह परिवार केंद्रित पार्टी है, जिसका एजेंडा 'एक परिवार के डायनिंग रूम (भोजन करने के कक्ष)' में तय होता है। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर भाजपा कार्यकर्ताओं से बनी एक लोकतांत्रिक पार्टी है। शर्मा ने बारपेटा जिले के चकचका में पार्टी के एक कार्यालय के उद्घाटन समारोह में कहा, भाजपा कार्यकर्ताओं से बनी लोकतांत्रिक पार्टी है। लेकिन अगर आप कांग्रेस या अन्य पार्टियों को देखें तो ये पार्टियां कार्यकर्ताओं से नहीं बनीं बल्कि अपने नेताओं और परिवारों पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा, फैसले परिवार के एक डायनिंग रूम में लिए जाते हैं और कार्यकर्ताओं को बस उनका अनुसरण करना होता है। परिवार की आवश्यकता के अनुरूप पार्टी का एजेंडा और विचारधारा बदल दी जाती है।

महाकाल के दर्शन करने पहुंचे एक्टर करण सिंह ग्रोवर

उज्जैन/एजेन्सी

हाल ही में एरियल एक्शन फिल्म 'फाइटर' में नजर आने वाले एक्टर करण सिंह ग्रोवर मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने पहुंचे। एक्टर ने कहा कि उन्हें लगता है कि उनके डीएनए में कुछ बदलाव आया है। एक्टर को वहां सफेद कुर्ता पायजामा में भगवान शिव की पूजा करते हुए देखा गया। शिप्रा नदी के किनारे बसा यह मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। वीडियो में करण को माथे पर 'जय श्री महाकाल' का टीका और गले में फूलों की माला पहने हुए देखा जा सकता है। करण ने कहा, मुझे बहुत अच्छा लगा। मैंने मंदिर के बारे में लोगों से जो कुछ सुना था, वह सब सत्य है। इस मंदिर में जाने के बाद डीएनए में कुछ बदलाव आ जाता है। जो ध्वनि आ रही थी, वह बहुत दिव्य थी। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मेरे डीएनए में कुछ बदलाव आ गया है। यह बहुत उत्साहवर्धक अनुभव है। मुझे उम्मीद है कि यहां से जाने के बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा।''

करण ने 23 फरवरी को अपना 42वां जन्मदिन मनाया। 'फाइटर' में उन्होंने सरताज गिल की भूमिका निभाई है। फिल्म में ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर हैं।

एथनिक लुक में श्वेता तिवारी ने ढाया कहर

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में नजर आने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने एक फोटोशूट करवाया है। उन्होंने अपने फैंस के लिए अपने एथनिक लुक की एक झलक शेयर की। 'कसौटी जिंदगी की' फेम एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी प्रोफेशनल और निजी लाइफ के बारे में चीजें शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 52 लाख फॉलोअर्स हैं। नए फोटोशूट में श्वेता ने गुलाबी रंग का अनारकली सेट पहना हुआ है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। भारी सुनहरे कढ़ाई वाले सूट पर मैचिंग दुपट्टा और भी खिल रहा है। मेकअप में वह पूरी तरह से आकर्षक लग रही हैं। ज्वैलरी के लिए उन्होंने भारी झुमके ही चुने। एक प्रशंसक ने पोस्ट पर कहा, आपकी सुंदरता की कोई हद नहीं है। दूसरे ने कहा, दिन-ब-दिन जवान होती जा रही हैं। श्वेता को पंजाबी फिल्म 'मित्रां दा ना चलदा' में देखा गया था।

बायोपिक 'शैक : द डाउट' में पायल घोष निभाएंगी जीनत अमान का किरदार

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस पायल घोष अपकमिंग बायोपिक 'शैक : द डाउट' में गुजरे जमाने की सुपरस्टार जीनत अमान की भूमिका निभाएंगी। मशहूर एक्ट्रेस जीनत अमान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 1970 में फिल्म 'द एविल विदइन' से की थी। जीनत अमान को 'हरे रामा हरे कृष्णा', 'यादों की बारात', 'कुर्बानी', 'दोस्ताना' और 'डॉन' जैसी कई अन्य फिल्मों में अपने काम से पहचान मिली। 72 साल की जीनत अमान, इंस्टाग्राम पर भी एक ट्रेंडिंग पर्सनालिटी बन गई हैं। इस प्लेटफॉर्म पर उन्होंने फरवरी 2023 में डेब्यू किया था। वह अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी विभिन्न थ्रोबैक तस्वीरें और प्रोफेशनल अपडेट शेयर करती रहती हैं। जीनत अमान के किरदार के बारे में बात करते हुए पायल घोष ने कहा, ''यह मेरे लिए एक बड़ा अवसर है। मैं वास्तव में खुश और भाग्यशाली हूं कि मुझ पर इतना विश्वास किया गया। मैं स्क्रीन पर ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व का किरदार निभा सकती हूं। एक्ट्रेस पायल घोष ने आगे कहा, ''जीनत अमान एक लीजेंड हैं। स्क्रीन पर उनका किरदार निभाना आज के समय के किसी भी एक्ट्रेस के लिए सबसे बड़े अवसरों में से एक है। मैं बहुत उत्साहित हूं। इस प्रोजेक्ट में अच्छा काम करने के लिए उत्सुक हूं। मैं रोमांचित हूं। मैं अपने प्रशंसकों से बस इतना वादा करना चाहती हूं कि मैं इसके लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगी।'' 'शैक : द डाउट' का निर्देशन राजीव चौधरी ने किया है।

भगवान राम के प्रति भरत की अटूट भक्ति नि:स्वार्थता और बलिदान के मार्ग को रोशन करती है : निखलेश राठौड़

मुंबई/एजेन्सी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित हो रहे शो श्रीमद रामायण में भरत की भूमिका निभा रहे निखलेश राठौड़ का कहना है कि भगवान राम के प्रति भरत की अटूट भक्ति नि:स्वार्थता और बलिदान के मार्ग को रोशन करती है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की महाकाव्य गाथा श्रीमद रामायण के दर्शकों ने रानी कैकेयी द्वाराभगवान राम को अयोध्या से निर्वासित करने और भरत को राजा बनाने की मांग देखी है। अयोध्या के समृद्ध राज्य और शाही परिवार के भीतर भारी हंगामा के बीच दर्शक देखेंगे कि भरत, जो अपने भाईभगवान राम से बहुत प्यार करता है, कैकेयी से असहमत हो जाता है और अपनी मां को कुमाता कहता है।भाईचारे के

अपने अटूट बंधन को दर्शाते हुए, भरत भगवान राम से मिलने के लिए चित्रकूट जाते हैं, जहां वह उनसे वापस आने और राजा के रूप में अपने सही स्थान का दावा करने का अनुरोध करते हैं।लेकिन भगवान राम रानी कैकेयी को दिए गए अपने पिता के वरदानों का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसलिए, भरत अपने भाई की पादुकाएं वापस ले लेंगे और उन्हें भगवान राम के अधिकार केप्रतीक के रूप में सिंहासन पर रखेंगे।

श्रीमद रामायण में भरत का किरदार निभाने वाले निखलेश राठौड़ ने कहा,वफादारी और प्रेम की गाथा में, भरत की अपने भाई भगवान राम के प्रति अटूट भक्ति नि:स्वार्थताऔर बलिदान के मार्ग को रोशन करती है, जहां सिंहासन भाईचारे के बंधन के सामने फीका पड़ जाता है।

भरत के चरित्र को चित्रित करने से मुझे दुनिया का एक गहरा सबक मिला है, कि व्यक्ति को हमेशा उस चीज़ के लिए खड़ा होना चाहिए जो सही है, भले ही इसका मतलब अपने सबसे करीबी लोगों का विरोध करना हो। श्रीमद रामायण, हर सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
8
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शुक्रवार | 01-03-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

नि:शुल्क मधुमेह एवं रक्तचाप जांच शिविर आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम द्वारा नि:शुल्क मधुमेह एवं रक्तचाप परीक्षण शिविर का आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महिला शाखा के कार्यालय गायत्रीनगर में आयोजित किया गया।

सभी उपस्थित सदस्यों का रैंडम ब्लड शुगर लेबल एवं रक्त चाप परीक्षण किया गया। इस शिविर से कुल 76 लोग लाभान्वित हुए। इस मौके पर आरएसएस सुब्रमण्यानगर वार्ड के महिला प्रमुख मधुजी ने परिषद परिवार को धन्यवाद दिया। तेयुप से कमलेश चौरडिया, सुनील मेहता, दीपक गिलुण्डिया, अभिषेक पीपाड़ा एवं रवि चौधरी ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

लाइटहाउस इंडिया ने फैशन और सिल्वर ज्वेलरी ब्रांड 'कुशल' में किया 284 करोड़ रुपये का निवेश

गुलेच्छा परिवार के बेंगलूरु ब्रांड 'कुशल ज्वेलरी' के बढ़ते कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फैशन ज्वेलरी ब्रांड 'कुशल' ने मिड-मार्केट प्राइवेट इक्विटी फर्म लाइटहाउस इंडिया फंड से सीरीज बी फंडिंग राउंड में 284 करोड़ रुपये जुटाए हैं। लाइटहाउस ने अपने नवगठित चौथे निजी फंड 'लाइटहाउस इंडिया चतुर्थ एआईएफ' के माध्यम से निवेश किया। पूंजी निवेश में एक द्वितीयक लेनदेन भी शामिल है, जो कुशल के पहले संस्थागत निवेशक इंडिया एसएमई इन्वेस्टमेंट्स को आंशिक निकास देता है, जिसने वर्ष 2019 में ब्रांड में निवेश किया था।

बेंगलूरु मूल के वर्ष 2006 में प्रतिष्ठित गुलेच्छा परिवार द्वारा स्थापित ब्रांड 'कुशल' लाइटहाउस से प्राप्त पूंजी का उपयोग ब्रांड बनाने और खुदरा विस्तार के लिए करेगा। ज्ञातव्य है कि कुशल कंपनी भारत के 25 शहरों में अपने 75 से अधिक स्टोरों के साथ-साथ ऑनलाइन चैनलों के माध्यम से अपने उत्पादों की खुदरा बिक्री करती है। कम्पनी आगामी चार वर्ष में स्टोर की संख्या 300 तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। कुशल के रिटेल सह-संस्थापक मनीष गुलेच्छा ने बताया कि 'कुशल' की स्थापना महिलाओं को सबसे विशिष्ट और ऑन-ट्रेंड फैशन आभूषण प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। आज कुशल अपने ग्राहकों को असाधारण गुणवत्ता और श्रेणी में सर्वोत्तम खरीदारी का अनुभव दे रहा है। निवेश से ब्रांड निर्माण, प्रौद्योगिकी, लोगो और खुदरा विस्तार में निवेश की सुविधा मिलेगी।

कुशल की फंडिंग पर लाइटहाउस के प्रबंध निदेशक अंशुल जैन ने कहा, कुशल अपने प्रीमियम उत्पाद रेंज के साथ भारत में बड़े अव्यवस्थित फैशन ज्वेलरी बाजार को व्यवस्थित करने में सबसे आगे है, जो महत्वाकांक्षी उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करता है। कंपनी इस श्रेणी में मजबूत मैक्रो टेलविंड और फैशन ज्वैलरी के लिए उपभोक्ताओं की बदलती पसंद के साथ आगे बढ़ने के लिए विशिष्ट रूप से तैयार है, जो उनकी जीवनशैली का अभिन्न अंग बन रहा है।

बोर्ड पर 60 प्रतिशत कन्नड़ का नियम लागू करने की समय सीमा दो सप्ताह बढ़ाई

कैबिनेट ने 5 जनवरी को साइनेज में कन्नड़ भाषा के 60 प्रतिशत उपयोग को अनिवार्य करने के लिए कन्नड़ व्यापक विकास अधिनियम में संशोधन करने के लिए एक अध्यादेश को मंजूरी दी थी, और नियम का पालन करने के लिए 28 फरवरी की समय सीमा जारी की थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने गुरुवार को व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और अन्य इमारतों के लिए साइनबोर्ड पर कन्नड़-अंग्रेजी का अनुपात 60:40 सुनिश्चित करने की समय सीमा दो सप्ताह बढ़ा दी है। सरकार ने पहले इस संबंध में 28 फरवरी की समय-सीमा तय की थी।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को कहा, यह ध्यान में रखते हुए कि साइनेज बदलने में समय लगता है, कर्नाटक सरकार ने वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को दी गई समय सीमा को दो सप्ताह और बढ़ाने का फैसला किया है ताकि कन्नड़ में 60 प्रतिशत साइनेज के नियम का पालन किया जा सके। यह महत्वपूर्ण है कि हम अपनी मातृभाषा का पूरा सम्मान करें, इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि इस कानून का विधिवत पालन किया जाएगा, और दो सप्ताह के विस्तारित समय के अंत तक इसका अनुपालन देखने को मिलेगा।

बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने अब तक बेंगलुरु शहर में साइनबोर्ड बदलने के लिए 55,178 उद्योगपतियों को नोटिस जारी किया है और उनमें से 3,044 ने अभी तक साइनबोर्ड नहीं बदले हैं।

कन्नड़ भाषा व्यापक विकास (संशोधन) विधेयक, 2024 15 फरवरी को कर्नाटक विधानसभा द्वारा पारित किया गया था। इसमें सभी व्यावसायिक और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के साइनबोर्ड के 60 प्रतिशत स्थान पर कन्नड़ का उपयोग अनिवार्य है। भाजपा ने विधेयक का स्वागत किया था और सरकार से आग्रह किया था कि इसे सख्ती से लागू किया जाये। कैबिनेट ने 5 जनवरी को साइनेज में कन्नड़ भाषा के 60 प्रतिशत उपयोग को अनिवार्य करने के लिए कन्नड़ व्यापक विकास अधिनियम में संशोधन करने के लिए एक अध्यादेश को मंजूरी दी थी, और नियम का पालन करने के लिए 28 फरवरी की समय सीमा जारी की थी। बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने पहले चेतावनी दी थी कि यदि नियम का पालन नहीं किया गया तो प्रतिष्ठानों पर ताला लगा दिया जाएगा और लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। कन्नड़ संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर नियम लागू नहीं किया गया तो वे बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे।

शांतिनगर आदिनाथ मंदिर में वर्षगांठ व ध्वजारोहण महोत्सव आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित आदिनाथ जैन मंदिर की 18वीं वर्षगांठ व 19वां ध्वजारोहण शुक्रवार को सुबह मनाया जाएगा। इस मौके पर खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी के शिष्य श्री मुक्तिप्रभसागरजी म.सा. व आचार्यश्री पद्मसागरसूरीश्वरजी के समुदायवर्ति मुनिश्री राजपद्मसागरजी म.सा (राजा महाराज)आदि अपनी निश्रा प्रदान करेंगे। शुक्रवार को सुबह 7.30 बजे शांतिनगर मंदिर में सत्तरभेदी पूजा तथा सुबह 8.30 बजे लाभार्थी राजेन्द्रकुमार त्रिलोककुमार बोथरा परिवार के निवास से संघ के साथ ध्वजा का वरघोड़ा एवं गुरुदेव का पदार्पण एवं मंगलाचरण होगा। सुबह 9.15 बजे मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण विधि प्रारंभ व ध्वजारोहण होगा। लाभार्थी मलबरी सिल्कस के बोथरा परिवार ने सभी श्रद्धालुओं को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ज्ञापन

कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन के के सचिव कैलाश बालर और संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा ने बेंगलूरु प्रवास पर आई केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन दिया। ज्ञापन में एसएसएमई कानून की जटिलता एवं धारा 43 बी (एच) के प्रावधान में संशोधन हेतु मांग की गई। खागा ने अपने ज्ञापन में वित्त मंत्री से लघु एवं मध्यम व्यापारियों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए इस कानून में राहत प्रदान करने की मांग की ।

परिवार में रिश्तों के बिखराव का कारण है मान : साध्वीश्री दर्शितप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद यशवंतपुर द्वारा गुरुवार को को साध्वीश्री लावण्याश्रीजी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन में 'मान-विजय' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस मौके पर साध्वीश्री दर्शितप्रभाजी ने कहा कि परिवार में रिश्तों के बिखराव का कारण मान है।

क्रोध और मान साथ साथ रहते है। स्वाभिमान और अभिमान में अंतर है। एक अहंकार रहित है एक अहंकार सहित है। सुई और सेफ्टी पिन के दृष्टांत के माध्यम से साध्वीश्री ने मान के स्वरूप को समझाया। इस मौके पर सभा मंत्री महावीर ओस्तवाल, युवक परिषद के अध्यक्ष जिगर मारू, महिला मंडल मंत्री लाडली मुथा ने अपनी भावनाएं व्यक्त की।

शापूरजी पालोनजी को बेंगलूरु में लक्जरी घरों की बिक्री से 500 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद

बेंगलूरु/नई दिल्ली। शापूरजी पालोनजी रियल एस्टेट ने बृहस्पतिवार को बेंगलूरु में 180 से अधिक लक्जरी घरों की पेशकश की। इससे कंपनी को 500 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने बेंगलूरु के बिन्नीपेट में अपनी परियोजना पार्कवेस्ट 2.0 में आखिरी टावर सिकोया' की शुरुआत की है। कंपनी इस आखिरी टावर में 180 से अधिक लक्जरी अपार्टमेंट बनाएगी। इसमें बिक्री योग्य क्षेत्र 4.3 लाख वर्ग फुट होगा। इससे कंपनी को लगभग 500 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है।

शापूरजी पालोनजी रियल एस्टेट के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वेंकटेश गोपालकृष्ण ने कहा, पार्कवेस्ट 2.0 का आखिरी टावर सिकोया हमारे शिल्प कौशल के प्रति अटूट समर्पण का प्रमाण है।'' बेंगलूरु भारत के प्रमुख रियल एस्टेट बाजारों में से है।

आवास ब्रोकरेज कंपनी प्रॉपटाइगर के आंकड़ों के अनुसार, आवासीय संपत्तियों की बिक्री पिछले साल 44 प्रतिशत बढ़कर 44,002 इकाई हो गई। यह आंकड़ा 2022 में 30,467 इकाई का था। पिछले साल नए घरों की आपूर्ति भी 14 प्रतिशत बढ़कर 42,215 इकाई से 47,965 इकाई हो गई।

उद्घाटन

तेलंगाना के आईटी, उद्योग और वाणिज्य मंत्री डी श्रीधर बाबू ने गुरुवार को हैदराबाद में नव विस्तारित मेडट्रॉनिक इंजीनियरिंग और इनोवेशन सेंटर का उद्घाटन करते हुए।

शहर के मागड़ी रोड सुमतिनिाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सहंघ के तत्वावधान में होसूर रोड स्थित पार्श्व सुशील धाम में आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी, आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी व साध्वीश्री हर्षगुणाश्रीजी व अरिहंतप्रभाश्रीजी के सान्निध्य में मुमुक्षु खुशीकुमारी गोगड़मुथा की भागवती दीक्षा पूरे विधि विधान से सम्पन्न हुई।

दीक्षा के बाद मुमुक्षु खुशीकुमारी बनीं साध्वीश्री जिनआर्याप्रभा

होसूर रोड के पार्श्व सुशील धाम में हुई दीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड सुमतिनिाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सहंघ के तत्वावधान में होसूर रोड स्थित पार्श्व सुशील धाम में आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी, आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी व साध्वीश्री हर्षगुणाश्रीजी व अरिहंतप्रभाश्रीजी के सान्निध्य में मुमुक्षु खुशीकुमारी गोगड़मुथा की भागवती दीक्षा पूरे विधि विधान से सम्पन्न हुई। इसके साथ ही मुमुक्षु संयमीकुमारी लुंकड़, अदितिकुमारी सोलंकी व आरतीकुमार गुलेच्छा की भी दीक्षाएं सम्पन्न हुई। जगदीशकुमार अमृतलाल गौतमचन्द मुकेशकुमार गोगड़मुथा परिवार ने बताया कि मुमुक्षु खुशीकुमारी की दीक्षा पूरे विधि विधान से साधु साध्वियों की निश्रा में सविधि सम्पन्न हुई। सभी साधु साध्वियों ने मिलकर मुमुक्षु को संयम जीवन का ओगा भेंट किया। मुमुक्षु खुशीकुमारी दीक्षा के बाद नूतन साध्वीश्री जिनआर्याप्रभाश्रीजी बनीं। पूरे सभागार में 'दीक्षार्थी अमर रहे, संयम लेने वाले को धन्यवाद' के नारे गूंजते रहे। इस मौके पर मागड़ी रोड मंदिर संघ ट्रस्ट के अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे सभी ने मुमुक्षु खुशीकुमारी के संयम जीवन की अनुमोदना की।

कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच की प्रान्तीय कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न

गोवा में आयोजित षष्ठम बैठक में समाजहित में लिए अनेक निर्णय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/गोवा। कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के षष्ठम प्रान्तीय कार्यकारिणी समिति की द्वितीय बैठक एवं प्रांतीय सभा सह लघु अधिवेशन 'युवा संगम 2024' का आयोजन गोवा में आयोजित किया गया जिसका आतिथ्य मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा एवं स्टार्स शाखा द्वारा किया गया। आतिथ्य शाखा के शाखा अध्यक्ष अंकित मोदी एवं संदीप चनानी द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों व पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। प्रांतीय महामंत्री मोहित शर्मा ने स्वागत किया। प्रांतीय अध्यक्ष नीतेश टिबड़ेवाल ने 14 सूत्री विषय सूची को प्रस्तुत किया। बैठक में देशहित व समाजहित में अनेक कार्यक्रमों और कार्ययोजनाओं पर चर्चा की गयी तथा प्रांतीय पदाधिकारियों ने विभिन्न प्रोजेक्टों पर अपनी अपनी रिपोर्ट पेश की। दूसरे सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा प्रांतीय सभा सदस्यों द्वारा सहमति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस सत्र के दौरान दिल्ली में बन रहे युवा भवन के निर्माण कार्य पर चर्चा व ट्रस्टी बनने का संकल्प लिया। इस मौके पर उपस्थित मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र भट्टड़ ने अपने विचार व्यक्त किए तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र भट्टड़ को मंच शिरोमणि गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। प्रांतीय कोषाध्यक्ष मनीष गोल्यान ने कर्नाटक प्रांत के इतिहास में पहली बार अधिवेशन कर्नाटक के बाहर वृहद रूप में आयोजित होने पर सभी के प्रति कृतज्ञता जताई। प्रांतीय उपाध्यक्ष मंडल (ख) गोपाल उपाध्याय ने धन्यवाद दिया ।

जो भूल करके भूल से कुछ सीख ले उसे इंसान कहते हैं : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। शहर के सुपार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने दावणगेरे सबजेल में कैदियों को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान कभी भूल नहीं करते और इंसान भूल किए बिना कभी रहता नहीं है, पर भूल करके जो भूल जाता है वो नादान होता है। जैसे बच्चा गंदगी में बार बार हाथ डालता है क्योंकि वो नादान है। आप न भगवान हो और न ही नादान हो, अपनी भूलों पर मुस्कुराओ नहीं अपितु भूल से बोध शिक्षा लेकर इन्सान बनो क्योंकि जो भूल करके कुछ सीख ले उसे इन्सान कहते हैं। आचार्यश्री ने कहा कि जिन कारणों से आपको यहाँ आना पड़ गया है वो भूल जीवन में कभी न करने का निर्णय कर लीजिए और जीवन ऐसा जीए कि किसी को आप पर उंगुली भी न उठाना पड़े। संतश्री ने कहा कि अच्छे से व दूसरों के भले के लिए जीना प्रारंभ कर दोंगे तो आपकी सजा माफ तो नहीं परन्तु हॉफ जरूर हो सकती है। इस मौके पर जेल के वरिष्ठ अधिकारियों ने आचार्यश्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com